ज्येष्ठ शुक्ल - 12 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 309 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 07-06-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 'डबल इंजन' सरकार का इंजन केवल धुआं फेंक रहा है : सचिन पायलट

6 देश को छोटा दिखाने का प्रयास अच्छा कृत्य नहीं

7 अब खुद को 'अनुराग बसु की हीरोइन' कह सकती हूं : सारा अली खान

फर्स्ट टेक

राष्ट्रपति ने ईद-उल-जुहा की नागरिकों को बधाई दी

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को ईद-उल-जुहा की पूर्व संध्या पर सभी नागरिकों को बधाई दी और सभी से अपने जीवन में निस्वार्थता व समर्पण के मूल्यों को अपनाकर एक बेहतर समाज बनाने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया। राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, मुर्मू ने कहा कि यह त्योहार त्याग, आस्था और मानवीय मूल्यों का प्रतीक है। मुर्मू ने कहा, यह समाज में एकता, प्रेम और भाईचारे का संदेश देता है। आइए हम अपने जीवन में निस्वार्थता और समर्पण के मूल्यों को अपनाकर एक बेहतर समाज बनाने के लिए मिलकर काम करें। बयान में कहा गया है कि राष्ट्रपति ने ईद-उल-जुहा के अवसर पर सभी नागरिकों और विदेशों में भारतीयों, विशेष रूप से मुस्लिम भाइयों और बहनों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दीं।

जापान का चंद्र मिशन असफल रहा, निजी लैंडर चंद्रमा पर दुर्घटनाग्रस्त हुआ

टोक्यो/एपी। जापान का एक निजी लैंडर शुक्रवार को चंद्रमा पर उतरने का प्रयास करते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया। टोक्यो स्थित कंपनी आईस्पेस ने लैंडर से संपर्क टूटने के कई घंटे बाद मिशन को विफल घोषित किया। प्रक्षेपण नियंत्रकों ने संपर्क करने की कोशिश की लेकिन उन्हें कोई संदेश नहीं मिला जिसके बाद उन्होंने कहा कि वे मिशन को समाप्त कर रहे हैं। अंतरिक्ष यान के मिनी रोवर के साथ चंद्रमा पर उतरने से दो मिनट पहले ही संचार बंद हो गया। उससे पहले तक ऐसा लग रहा था कि चंद्रमा की कक्षा से उतरने की प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है। आईस्पेस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और संस्थापक ताकेशी हाकामादा ने मिशन में योगदान देने वाले सभी लोगों से माफी मांगी। यह आईस्पेस का दूसरा चंद्र मिशन था।

बांग्लादेश में अगले साल अप्रैल तक चुनाव होंगे

ढाका/भाषा। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने शुक्रवार को घोषणा की कि देश में आम चुनाव अगले साल अप्रैल की पहली छमाही में होंगे। यह घोषणा पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के नेतृत्व वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की ओर से इस साल दिसंबर तक चुनाव कराने की मांग को लेकर हाल ही में किए गए विरोध-प्रदर्शनों के बीच की गई है। 'ढाका ट्रिब्यून' अखबार की खबर के मुताबिक, टेलीविजन पर राष्ट्र के नाम संबोधन में यूनुस ने कहा कि निर्वाचन आयोग समय आने पर विस्तृत रूपरेखा पेश करेगा।

आरबीआई ने रेपो दर में पांच साल की सबसे बड़ी कटौती की

मकान, वाहन और अन्य कर्ज सस्ते होने की उम्मीद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ आरबीआई ने रेपो दर 0.50 प्रतिशत घटाकर 5.5 प्रतिशत करने का निर्णय किया।

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने आर्थिक वृद्धि तेज करने के मकसद से शुक्रवार को प्रमुख नीतिगत दर रेपो को उम्मीद से अधिक 0.5 प्रतिशत घटाकर 5.5 प्रतिशत कर दिया। इसके साथ ही अप्रत्याशित रूप से नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में भी एक प्रतिशत की कटौती की घोषणा की।

इस कदम से बैंकों के पास कर्ज देने के लिए अधिक नकदी उपलब्ध होगी जो अर्थव्यवस्था को गति देने का काम करेगी। इससे मकान, वाहन और अन्य कर्ज सस्ते होने की उम्मीद है।

आरबीआई ने यह कदम ऐसे समय उठाया है जब मुद्रास्फीति अप्रैल में घटकर लगभग छह साल के निचले स्तर 3.16 प्रतिशत और आर्थिक वृद्धि दर 2024-25 में चार साल के न्यूनतम स्तर 6.5 प्रतिशत पर आ गयी है।

आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अगुवाई वाली छह-सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने प्रमुख ब्याज दर रेपो दर 0.50 प्रतिशत घटाकर 5.5 प्रतिशत करने का निर्णय किया। समिति के छह में से पांच

सदस्यों ने इसके पक्ष में मतदान किया। समिति ने नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) को भी एक प्रतिशत घटाकर तीन प्रतिशत कर दिया। इससे बैंकों में नकदी में 2.5 लाख करोड़ रुपए की वृद्धि होगी।

चालू वित्त वर्ष की दूसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा पेश करते हुए मल्होत्रा ने कहा, ''उभरती वृहद आर्थिक, वित्तीय गतिविधियों और आर्थिक परिदृश्य पर गौर करने के बाद एमपीसी ने रेपो दर में 0.50 प्रतिशत कटौती करने का निर्णय किया है।''

वित्तीय स्थिरता में बाधा उत्पन्न करती है क्रिप्टोकरेंसी : आरबीआई गवर्नर

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि केंद्रीय बैंक, क्रिप्टोकरेंसी को लेकर चिंतित है क्योंकि इससे वित्तीय स्थिरता बाधित हो सकती है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा पेश करने के बाद पत्रकारों के साथ बातचीत के दौरान मल्होत्रा से क्रिप्टोकरेंसी पर उच्चतम न्यायालय की पिछले महीने की गई टिप्पणी के बाद के उत्पन्न घटनाक्रम के बारे में पूछा गया था। उन्होंने कहा कि क्रिप्टो के मामले में बताने के लिए अभी कुछ नया नहीं है। मल्होत्रा ने कहा, '' सरकार की एक समिति इस पर नजर रख रही है। बेशक, जैसा कि आप जानते हैं हम क्रिप्टो के बारे में चिंतित हैं क्योंकि यह वित्तीय स्थिरता और मौद्रिक नीति को बाधित कर सकती है। शीर्ष न्यायालय ने केंद्र को क्रिप्टोकरेंसी को विनियमित करने के लिए एक 'स्पष्ट' नीति तैयार करने का पिछले महीने निर्देश दिया था। न्यायालय ने अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव को भी रेखांकित किया था।

उच्चतम न्यायालय की एक पीठ ने बिटकॉइन व्यापार को 'हवाला' कारोबार की तरह ही अवैध व्यापार करार दिया था।

ऑपरेशन सिंदूर ने आत्मनिर्भर भारत की दिखाई है ताकत : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादी हमला इंसानियत और कश्मीरियत पर हमला था।

प्रधानमंत्री ने जम्मू-कश्मीर में दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल का उद्घाटन किया

कटरा/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चिनाब नदी पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल का शुक्रवार को उद्घाटन किया। यह पुल आठ साल से अधिक समय में 1,486 करोड़ रुपए की लागत से बनकर तैयार हुआ है। इसके बाद प्रधानमंत्री तिरंगा लेकर पुल पर चले। चिनाब पुल के उद्घाटन के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू-कश्मीर में अंजी नदी पर बने भारत के पहले 'केबल-स्टेड' रेलवे पुल का उद्घाटन किया। इससे पहले, मोदी रेल के इंजन वाले डिब्बे में सवार होकर उद्घाटन स्थल पर पहुंचे।

कटरा/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के कटरा में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने आत्मनिर्भर भारत की ताकत दिखाई है और इससे दुनिया में भारत के रक्षा-पारिस्थितिकी तंत्र की दुनिया भर में चर्चा हो रही है।

मोदी ने कहा कि देश की रक्षा प्रणाली की इस शोहरत के पीछे एक कारण भारतीय सेनाओं का भारत में विकसित की गयी हथियार और प्रतिरक्षा प्रणालियों पर भरोसा है। उन्होंने भारत की सेनाओं की तरह देश के नागरिकों को भी 'मेक इन इंडिया' पर भरोसा करने का आह्वान किया। श्री मोदी जम्मू-कश्मीर में विकास की 46 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद यहां एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि आतंकवाद को भारत के खिलाफ हथियार बनाने वाले पाकिस्तान के विरुद्ध छह जून की रात शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर ने आत्मनिर्भर भारत की ताकत दिखायी है आज दुनिया भारत के डिफेंस इकोसिस्टम की चर्चा कर रही है। और इसके पीछे एक ही कारण है, हमारी सेनाओं का 'मेक इन इंडिया' पर भरोसा। मोदी ने कहा कि सेनाओं ने जो कर दिखाया, अब वही हर भारतवासी को दोहराना है।

उन्होंने कहा कि पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादी हमला इंसानियत और कश्मीरियत पर हमला था। यह पाकिस्तान की बड़ी साजिश थी जो कश्मीर में तेजी से बढ़ रहे पर्यटन और आर्थिक विकास को रोकना चाहता था। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कहा कि जम्मू-कश्मीर के विकास के वेग को रुकने नहीं दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ा रही है और इसका एक अहम जरिया पर्यटन उद्योग है। पर्यटन से रोजगार मिलता है यह लोगों को जोड़ता है। उन्होंने कहा, ...लेकिन दुर्भाग्य से हमारे पड़ोस का देश, मानवता का विरोधी, मेलजोल का विरोधी, टूरिज्म (पर्यटन) का विरोधी, इतना ही नहीं वो ऐसा देश है, गरीब की रोज़ी-रोटी का भी विरोधी है। 22 अप्रैल को पहलगाम में जो कुछ हुआ, वो इसी का उदाहरण है।

कोविड-19: मरीजों की संख्या बढ़कर 5,000 से अधिक हुई

नई दिल्ली/भाषा। देश में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या 5,000 से अधिक हो गई है और केरल सबसे अधिक प्रभावित राज्य बना हुआ है जिसके बाद गुजरात, पश्चिम बंगाल और दिल्ली सबसे अधिक प्रभावित हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़े से यह जानकारी मिली। संक्रमित मरीजों की संख्या में वृद्धि के मद्देनजर केंद्र अस्पतालों में कोविड-19 संबंधी तैयारियों की जांच के लिए 'मॉक ड्रिल' आयोजित कर रहा है। सभी राज्यों को निर्देश दिया गया है कि वे कोविड-19 के मामले बढ़ने के मद्देनजर ऑक्सीजन, पृथक बिस्तर, वेंटीलेटर और जरूरी दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करें। भारत में उपचाराधीन मरीजों की संख्या 5,364 है और पिछले 24 घंटे में संक्रमण से चार लोगों के मरने की सूचना है।

यूक्रेन पर 407 ड्रोन से रूस का हमला

कीव/एपी। रूस ने यूक्रेन के छह क्षेत्रों को 407 ड्रोन और 44 मिसाइलों से निशाना बनाया, जो तीन साल के युद्ध के सबसे बड़े हवाई हमलों में से एक है। यूक्रेन के अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, रात के समय हुए हमले में राजधानी कीव में आपातकालीन प्रतिक्रिया दल के तीन कर्मी मारे गए। यूक्रेनी वायुसेना के प्रवक्ता युरी इहनात ने बताया कि इस बमबारी में बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों के साथ-साथ ड्रोन का भी इस्तेमाल किया गया। यूक्रेनी सेना ने बताया कि उसने करीब 30 क्रूज मिसाइलों और 200 से अधिक ड्रोन को मार गिराया। फरवरी 2022 में रूस द्वारा अपने पड़ोसी देश पर आक्रमण शुरू करने के बाद से यूक्रेनी शहरों पर नियमित रूप से बमबारी की जाती रही है।

ट्रंप का नाम खुफिया 'ईप्सटीन' फाइल में : मस्क

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उनके दोस्त रहे अरबपति सोशल मीडिया 'मुगल' एलन मस्क ने अब आरोप लगाया है कि ट्रम्प का नाम 'ईप्सटीन' फाइलों में है। मस्क का यह बयान कल उनके सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर आया है। उन्होंने अपने विस्फोटक बयान में कहा , अब असली बम गिराने का समय है और वह रियल डोनाल्ड ट्रंप ईप्सटीन फाइल्स में है। यही वह असली कारण है जिसकी बाबत यह सार्वजनिक नहीं हुई है। आपका दिन शुभ हो, डीजेटी।

चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई भगदड़ के मामले में

आरसीबी और इवेंट मैनेजमेंट कंपनी के चार अधिकारी गिरफ्तार

चारों अधिकारियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई भगदड़ के मामले में बेंगलूरु स्थित एक अदालत ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) के एक अधिकारी सहित चार लोगों को शुक्रवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट अदालत ने आरसीबी के मार्केटिंग और राजस्व प्रमुख निखिल सोसले के साथ-साथ कार्यक्रम के आयोजन में शामिल इवेंट मैनेजमेंट कंपनी, डीएनए एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के सुनील मैथ्यू, सुमंत और किरण कुमार को हिरासत में भेज दिया। अपराध शाखा और बेंगलूरु पुलिस के संयुक्त अभियान में चारों को आज सुबह गिरफ्तार किया गया।

सोसले को दुबई जाते समय बेंगलूरु हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने कर्नाटक उच्च न्यायालय में अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देने के लिए एक याचिका दायर की थी। याचिका पर सुनवाई करने वाले न्यायमूर्ति एस आर कृष्ण कुमार ने गिरफ्तारी से अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया था और मामले की सुनवाई नौ जून तक के लिए स्थगित कर दी थी।

मोदी ने की जी7 में हिस्सा लेने की पुष्टि

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि वह इस माह कनाडा में होने वाले जी7 शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने पहली बार टेलीफोन पर हुई बातचीत में प्रधानमंत्री मोदी को यह निमंत्रण दिया। जी-7 शिखर सम्मेलन के संपर्क सत्र में शामिल होने के लिए मोदी को कार्नी से मिला निमंत्रण इस बात का संकेत है कि ओटावा एक खालिस्तानी आतंकवादी की हत्या के बाद नयी दिल्ली के साथ द्विपक्षीय संबंधों में आए तनाव को दूर करने का इच्छुक है। प्रधानमंत्री मोदी ने जी7 शिखर सम्मेलन से एक हफ्ते पहले आए निमंत्रण को स्वीकार करने की शुक्रवार को पुष्टि की।

हम आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा को हटाएंगे : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजगीर/गयाजी/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जातिगत आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा को सिरे से खारिज करते हुए शुक्रवार को कहा कि देश के जिस भी हिस्से में उनकी पार्टी सत्ता में आएगी, वहां ''यह बाधा समाप्त कर दी जाएगी''।

लोकसभा में विपक्ष के नेता ने बिहार में यह वादा किया। बिहार 1990 के दशक में मंडल आंदोलन का केंद्र था और यहां कुछ महीनों में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है।

राजगीर में आयोजित 'संविधान सुरक्षा सम्मेलन' में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ''मुझे आश्चर्य है कि 50 प्रतिशत की सीमा का यह विचार कहां से आया? वंचित वर्गों की आबादी लगभग 90 प्रतिशत है।''

उच्चतम न्यायालय द्वारा जातिगत आरक्षण की सीमा तय किए जाने पर असहमति जताते हुए गांधी ने कहा कि जातिगत गणना इस बाधा को दूर करने की दिशा में पहला कदम होगा। गांधी ने कहा, ''जब हमने तेलंगाना में जातिगत सर्वेक्षण कराया, जिसमें अन्य बातों के अलावा यह भी पता चला कि दलितों, आदिवासियों और अन्य पिछड़े वर्गों को शायद ही कोई सरकारी ठेका मिलता है, तो उस राज्य के मुख्यमंत्री ने आदेश दिया कि 50 प्रतिशत की सीमा को खत्म कर दिया जाए। उनके पास कोई विकल्प नहीं बचा था।'' तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार है। उन्होंने कहा, ''तेलंगाना और कर्नाटक में हमने बाधा हटा दी है। और जहां भी हमारी सरकार बनेगी, वहां यह बाधा समाप्त कर दी जायेगी।''

मध्य एशिया के लिए भारत विश्वसनीय विकास साझेदार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद उसके साथ खड़े रहने के लिए मध्य एशियाई देशों की शुक्रवार को सराहना की और कहा कि वह कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उजबेकिस्तान के लिए एक विश्वसनीय विकास भागीदार होगा।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत-मध्य एशिया वार्ता में

अपने संबोधन में कहा कि भारत इन पांचों देशों के साथ संपर्क, व्यापार, पर्यटन और शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने का इच्छुक है। उन्होंने कहा, ''मैं इस बात की सराहना करता हूं कि आपके देश भारत के साथ खड़े रहे और पहलगाम में अप्रैल में हुए आतंकी हमले की निंदा की।'' जयशंकर ने कहा कि भारत मध्य एशिया के साथ अपने सदियों पुराने सभ्यतागत और सांस्कृतिक संबंधों को गहराई से संजोए हुए है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि जुलाई 2015 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की क्षेत्र के सभी पांच देशों की लगातार यात्राओं के बाद भारत और मध्य एशिया के बीच सहयोग को काफी बढ़ावा मिला है। उन्होंने कहा, ''भारत आप सभी के लिए एक विश्वसनीय विकास साझेदार बना हुआ है।

उन्होंने कहा कि पिछले दशक में व्यापार, आर्थिक और निवेश संबंध काफी मजबूत हुए हैं। उन्होंने कहा, ''आज हम अनेक सीधी उड़ानों से अच्छी तरह जुड़े हुए हैं।

आने वाले वर्षों में भारतीय, स्थानीय भाषाएं शिक्षा का माध्यम होंगी : प्रधान

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को कहा कि आने वाले वर्षों में शिक्षण संस्थानों में शिक्षा का माध्यम मुख्य रूप से भारतीय और स्थानीय भाषाएं होंगी। अधिकारियों ने बताया कि मंत्री ने भारतीय भाषाओं में शिक्षा को बढ़ावा देने के विषय पर संसद की परामर्शदात्री समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह टिप्पणी की।

प्रधान ने कहा, ''आने वाले वर्षों में शिक्षा का माध्यम मुख्य रूप

से भारतीय और स्थानीय भाषाएं होंगी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) जैसे उच्च शिक्षा संस्थान स्थानीय भाषाओं में पाठ्यक्रम शुरू कर रहे हैं, जिसमें इंजीनियरिंग जैसे तकनीकी पाठ्यक्रम भी शामिल हैं। प्राथमिकता भारतीय भाषाओं में पुस्तकें उपलब्ध कराना है।''

मंत्री ने विषय-वस्तु के अनुवाद में तकनीक के इस्तेमाल तथा भाषा अनुवाद के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) का लाभ उठाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, ''ग्रामीण क्षेत्रों या आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों से आने वाले विद्यार्थियों के लिए, प्रौद्योगिकी उनकी पसंदीदा भाषा में सामग्री को समझने में मदद कर सकती है।''

07-06-2025 सूर्यास्त 6:44 बजे | 08-06-2025 सूर्योदय 5:52 बजे

BSE	NSE
82,188.99 (+746.95)	25,003.05 (+252.15)

सोना	चांदी
10,098 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	100,550 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

चलो कुछ करें

सियासी खत्म अब ड्रामा,
करें मिल राज की बातें।
मिले हकदार को भी हक,
करें कुछ काज की बातें।
उगाएं इक नया सूरज,
करें आगाज की बातें।
भुला कर भूत की कटुता,
करें अब आज की बातें।।

देवराज अर्स लोकप्रिय राजनेता रहे जिन्होंने राज्य को करीब से देखा है : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पूर्व मुख्यमंत्री देवराज अर्स उन राजनेता-राजनेताओं में से एक हैं जिन्होंने राज्य को देखा है। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि वे गरीबों, अन्यायियों, उत्पीड़ितों और अवसरों से वंचित लोगों के बारे में बहुत चिंतित थे। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री डी देवराज अर्स की 43वीं पुण्यतिथि के अवसर पर बेंगलूरु में विधान सौधा के पश्चिमी द्वार के सामने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि दिवंगत देवराज अर्स की पुण्यतिथि पर सरकार और सात करोड़ कन्नड़ लोगों की तरफ से उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने राजनीति में वंचित समुदायों को प्रतिनिधित्व प्रदान किया था जिसकी वजह से कर्नाटक में गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम सफलतापूर्वक लागू किया गया। उन्होंने राजनीति में वंचित समुदायों को प्रतिनिधित्व प्रदान किया।

उन्होंने कहा कि उन्होंने हवनूर आयोग का गठन किया, अर्सकी रिपोर्ट प्राप्त की और अर्से लागू किया तथा रोजगार में आरक्षण दिया। सामाजिक न्याय में दृढ़ विश्वास रखने वाले देवराज अर्स ने जरूरतमंदों और भूमिहीनों को न्याय दिलाने का काम किया। उन्होंने कानून बनाया कि जोतने वाला ही जमीन का मालिक है और भूमिहीनों को जमीन का मालिक बनाया। उन्होंने दास प्रथा को समाप्त किया और मल ढोने की प्रथा को बंद किया। उनके कार्यक्रमों की एक लंबी सूची है। उन्होंने कहा कि वे लंबे समय तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे। सामाजिक न्याय के लिए प्रतिबद्ध राजनेता सरकार ने 1973 में मैसूरु राज्य का नाम कर्नाटक रखने वाले राजनेता को याद किया है, जो जनहितैषी और सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्ध राजनेता थे। उन्होंने जो काम किया है, वह हमारे लिए प्रेरणा और प्रेरणा है। हमारी सरकार ने उनसे प्रेरणा लेकर सामाजिक न्याय की दिशा में मजबूत कदम उठाए हैं। यही हम उन्हें सम्मान देते हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी और भाजपा द्वारा पुलिस अधिकारियों को प्रताड़ित करने के आरोपों पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा राजनीति कर रही है। मैं इस मामले में राजनीति नहीं करूंगा। उन्होंने कहा कि सतह पर जिन लोगों ने जिम्मेदारी से काम नहीं किया है, उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है।

कर्नाटक के एडीजीपी (खुफिया) का तबादला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु में चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास भगदड़ की घटना के सिलसिले में कर्नाटक के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी, खुफिया) हेमंत निंबालकर का तबादला कर दिया गया है। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) की जीत का जश्न मनाने के लिए बड़ी संख्या में भीड़ जुटने के बाद चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास बुधवार शाम मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी और 56 अन्य घायल हो गए थे।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया, उनका (निंबालकर का) तबादला कर दिया गया है, आदेश का इंतजार है। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने भगदड़ की घटना के सिलसिले में बृहस्पतिवार को बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त बी दयानंद और चार अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया था। सिद्दरामय्या ने भगदड़ की घटना के सिलसिले में खुफिया विफलता की बात स्वीकार की थी। उन्होंने कहा था, इस संबंध में क्या कार्रवाई की जाए, फिलहाल इस बारे में कोई निर्णय नहीं लिया गया है। हमने इस पर चर्चा की है।

जागरूकता

बेंगलूरु के यलहंका स्थित 240(महिला) बटालियन सीआरपीएफ ने 5 जून को अपने कैम्प परिसर में कॉलेज की छात्राओं व महिलाओं को मधुमक्खी पालन की जानकारी व लाभ के विषय में एक कार्यशाला के माध्यम से जागरूकता फैलाई।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के राजनीतिक सचिव गोविंदराज को हटाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने बृहस्पतिवार को बताया कि विधान परिषद सदस्य गोविंदराज को तत्काल प्रभाव से मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के राजनीतिक सचिव के पद से मुक्त कर दिया गया है। हालांकि गोविंदराज को हटाने का कोई आधिकारिक कारण नहीं बताया गया, लेकिन माना जा रहा है कि यह फैसला 4 जून को चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई भगदड़ की घटना से जुड़ा है, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई थी।

बुधवार शाम को स्टेडियम के सामने अर्स समय भगदड़ मच गयी थी, जब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) टीम की आईपीएल जीत के जश्न में भाग लेने के लिए बड़ी संख्या में लोग उमड़ पड़े थे। एक आधिकारिक अधिसूचना के मुताबिक, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव के रूप में के. गोविंदराज की नियुक्ति तत्काल प्रभाव से रद्द की जाती है। के. गोविंदराज को तत्काल प्रभाव से मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव के पद से मुक्त किया जाता है।

सिद्दरामय्या ने भगदड़ की घटना के सिलसिले में बृहस्पतिवार को बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त बी. दयानंद और चार अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया था।

चिनाब रेल पुल का भिलाई इस्पात संयंत्र से अटूट रिश्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुर्ग/भाषा। जम्मू-कश्मीर में चिनाब नदी पर बनाए गए दुनिया के सबसे ऊंचे रेल पुल का छत्तीसगढ़ के भिलाई स्थित इस्पात संयंत्र से अटूट नाता है क्योंकि इसके निर्माण के लिए स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल)द्वारा आपूर्ति किये गए 16 हजार टन इस्पात में से 12 हजार टन का उत्पादन भिलाई में ही हुआ है। भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी)के अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कश्मीर घाटी के लिए पहली रेल सेवा को हरी झंडी दिखाई तथा चिनाब नदी पर बनाए गए दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल और भारत के पहले 'केबल आधारित' अंजी खड्ड पुल सहित कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। दुर्ग जिले के भिलाई में स्थित बीएसपी के अधिकारियों ने बताया कि भिलाई इस्पात संयंत्र सहित सेल के अन्य इस्पात संयंत्रों ने इस पुल के निर्माण के लिए 16 हजार टन इस्पात की आपूर्ति की है। उन्होंने बताया कि इनमें 'प्लेट्स, टीएमटी बार और स्ट्रक्चरल्स' की आपूर्ति शामिल हैं।

अधिकारियों ने बताया कि किसी भी निर्माण प्रक्रिया और औद्योगिक गतिविधि के लिए इस्पात सबसे महत्वपूर्ण घटकों में से एक है। मिली जानकारी के अनुसार इस पुल के निर्माण में लगभग 29 हजार मीट्रिक टन इस्पात, 10 लाख घन मीटर मिट्टी, 66 हजार घन मीटर से अधिक कंक्रीट तथा 84 किलोमीटर 'रॉक बोल्ट'(भूमि को स्थिर करने के लिए इस्पात के बोल्ट) और केबल एंकर का प्रयोग किया गया है। उन्होंने बताया कि जम्मू-कश्मीर में चिनाब नदी के ऊपर बना 1.3 किलोमीटर लंबा यह पुल नदी तल से 359 मीटर की ऊंचाई पर है जो पेरिस के एफिल टॉवर से 35 मीटर ऊंचा है। अधिकारियों ने बताया कि अभियांत्रिकी की अभिनव कृति यह पुल 266 किमी प्रति घंटे हवा की तेज रफ्तार और भूकंप के तेज झटकों को सहने में सक्षम है।उन्होंने बताया कि उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना (यूएसबीआरएल) के अंतर्गत यह पुल कटरा से बनिहाल तक 111 किलोमीटर लंबे घुमावदार खंड का हिस्सा है। यह पुल इस क्षेत्र में आवागमन को सुलभ करेगा।

अधिकारियों ने बताया कि सेल के इस्पात संयंत्रों ने जम्मू-कश्मीर में निर्मित दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल में उपयोग के लिए 6690 टन टीएमटी उत्पाद, 1793 टन स्ट्रक्चरल स्टील और 7511 टन स्टील प्लेट्स, हॉट स्ट्रिप मिल प्रोडक्ट और चेकर्ड प्लेटों सहित कुल 16 हजार टन इस्पात की आपूर्ति की है। उन्होंने बताया कि पुल के निर्माण के लिए भिलाई इस्पात संयंत्र से 5922 टन टीएमटी स्टील, 6454 टन प्लेट्स और 56 टन स्ट्रक्चरल स्टील सहित कुल 12,432 टन इस्पात की आपूर्ति की है। अधिकारियों ने बताया कि सेल के पश्चिम बंगाल के बर्नपुर स्थित इस्को इस्पात संयंत्र , दुर्गापुर इस्पात संयंत्र, ओडिशा के राउरकेला इस्पातात संयंत्र और झारखंड के बोकारो स्टील लिमिटेड ने भी पुल के लिए इस्पात की आपूर्ति की। सेल ने पहले भी राष्ट्रीय महत्व की कई ऐसी महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं जैसे बांध, पुल, सुरंग, फ्लाईओवरों और एक्सप्रेसवे सहित ऊर्जा क्षेत्र तथा रक्षा क्षेत्र में प्रयोग के लिए इस्पात की आपूर्ति की है।

'दपरे' के महाप्रबंधक ने हुब्बल्ली-तोरणगल्लू खंड और जेएसडब्ल्यू स्टील सुविधाओं का निरीक्षण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक मुकुल सरन माथुर ने परिचालन और सुरक्षा मापदंडों का आकलन करने के लिए शुक्रवार को एसएसएस हुब्बल्ली-तोरणगल्लू खंड का निरीक्षण किया। यात्रा के दौरान, जेएसडब्ल्यू स्टील के कार्यकारी उपाध्यक्ष सुशील नोवाल ने तोरणगल्लू जेएसडब्ल्यू प्लांट में मुकुल सरन माथुर का गर्मजोशी से स्वागत किया।

महाप्रबंधक ने जेएसडब्ल्यू स्टील के दक्षिण यार्ड का निरीक्षण किया, कच्चे माल की हैंडलिंग प्रक्रियाओं पर चर्चा की। उन्होंने वर्तमान परिचालन प्रथाओं की प्रशंसा की और सामग्री प्रबंधन में दक्षता और सुरक्षा के उच्च मानकों को बनाए रखने की आवश्यकता को रेखांकित किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने रोल्ड स्टील कॉइल की हैंडलिंग की समीक्षा करने और परिचालन को अनुकूलित करने की रणनीतियों पर चर्चा करने के लिए उत्तर यार्ड का दौरा किया।

एक उत्पादक बैठक में, सुशील नोवाल ने मुकुल सरन माथुर को जेएसडब्ल्यू स्टील की चल रही और आगामी परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी। चर्चा में 25-एक्सल लोड को सपोर्ट करने के लिए लोडिंग क्षमता बढ़ाने, वैगन अनलोडिंग से संबंधित चुनौतियों का समाधान करने और रेक टर्नअराउंड समय को बढ़ाने और लोडिंग और अनलोडिंग संचालन को सुव्यवस्थित करने के लिए जेएसडब्ल्यू परिसर के भीतर ट्रेन परीक्षा (टीएक्सआर) बिंदुओं की संख्या बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। जेएसडब्ल्यू ने लंबी दूरी पर तैयार उत्पादों के परिवहन की सुविधा के लिए सीसी रेक की आपूर्ति बढ़ाने का भी अनुरोध किया। 100-200 किलोमीटर के दायरे में क्लस्टर-आधारित गंतव्यों तक रेल परिवहन का विस्तार करके व्यवसाय विकास को बढ़ावा देने की योजनाओं की रूपरेखा तैयार की गई।

इस अवसर पर बेला मीना, मंडल रेल प्रबंधक, हुब्बल्ली; प्रशांत कुमार, प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक; प्रवीण कुमार तिवारी, प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर; वी.एम. दशपुत्र, मुख्य रोलिंग स्टॉक इंजीनियर और अन्य वरिष्ठ एसडब्लूआर अधिकारी उपस्थित थे।

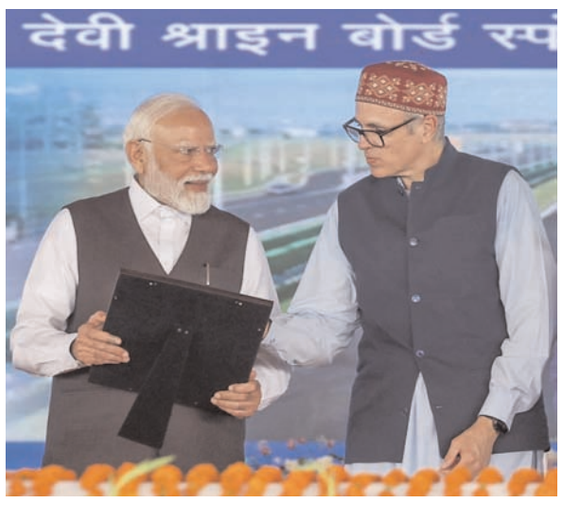

उमर अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर के राज्य का दर्जा बहाल करने संबंधी अपनी सरकार के संकल्प को दोहराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कटरा (जम्मू-कश्मीर)/ भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा कटरा में कश्मीर के लिए पहली रेलगाड़ी को हरी झंडी दिखाने के मौके पर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बेहद सधे अंदाज में जम्मू-कश्मीर के राज्य का दर्जा बहाल करने संबंधी अपनी सरकार के संकल्प को दोहराया।

वर्ष 2014 में अपनी पहली सरकार के अंतिम कार्यक्रम, कटरा रेलवे स्टेशन के उद्घाटन को याद करते हुए अब्दुल्ला ने एक ''संयोग'' की ओर इशारा किया कि शुक्रवार को कार्यक्रम में उपस्थित चार लोग उस दिन भी मंच पर थे।

अब्दुल्ला ने मजाकिया अंदाज में इसमें शामिल लोगों की अलग-अलग भूमिकाओं की ओर इशारा करते हुए कहा, ''आप (नरेन्द्र मोदी) पहली बार प्रधानमंत्री बने... आप चुनाव के ठीक बाद यहां आए। और ईश्वर की कृपा से आपने यहां कटरा रेलवे स्टेशन का उद्घाटन किया।'' उन्होंने कहा, 'इसके बाद, आप लगातार दो बार चुनाव जीते और इस देश के प्रधानमंत्री बने रहे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में आपके राज्य मंत्री, जितेंद्र सिंह भी मौजूद थे... यहां तक कि हमारे आदरणीय उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, जो उस समय रेल राज्य मंत्री थे, भी मौजूद थे।''

अपनी स्थिति का उल्लेख करते हुए अब्दुल्ला ने कहा, ''और मैं, एक राज्य का मुख्यमंत्री था लेकिन अब थोड़ा पदावनत हुआ हूं और अब मैं एक केंद्र शासित प्रदेश का मुख्यमंत्री हूं।'' अब्दुल्ला ने कहा, ''लेकिन मेरा मानना है कि इसे ठीक होने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। और आपकी मदद से जम्मू-कश्मीर को फिर से राज्य का दर्जा मिल जाएगा।''

'हनीमून' के दौरान लापता महिला का परिवार मेघालय पुलिस से असंतुष्ट, सीबीआई जांच की मांग

इंदौर/भाषा। मेघालय में 'हनीमून' के दौरान 15 दिन पहले लापता हुई 25 वर्षीय महिला के परिवार ने पूर्वोत्तर राज्य की पुलिस जांच पर शुक्रवार को खुलकर असंतोष जताया।

अनहोनी की आशंकाओं से जूझते हुए एक-एक पल बिता रहे परिवार ने केंद्र सरकार से इस मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को बिना किसी देरी के सौंपने की मांग की।

अधिकारियों ने बताया कि मेघालय में 'हनीमून' मनाने गए इंदौर निवासी ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी (29) और उनकी 25 वर्षीय पत्नी सोनम 23 मई को लापता हो गए थे। उन्होंने बताया कि राजा रघुवंशी का शव दो जून को पूर्वी खासी हिल्स जिले के सोहरा क्षेत्र (जिसे चेरापूंजी भी कहा जाता है) में एक झरने के पास गहरी खाई में मिला, जबकि उनकी पत्नी की तलाश जारी है।

सोनम के पिता देवी सिंह रघुवंशी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि उन्हें लगता है कि उनकी बेटी का मेघालय में अपहरण किया गया है और वह अब भी अपहर्ताओं के चंगुल में है। उन्होंने कहा,''मेघालय पुलिस ठीक से जांच नहीं कर रही है। मेघालय पुलिस ने शुरुआत से ही जांच में लापरवाही बरती है।''

प्रधानमंत्री के दृढ़ संकल्प के कारण कश्मीर को रेल मार्ग से जोड़ पाना संभव हुआ : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कटरा/भाषा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृढ़ संकल्प के कारण कश्मीर को रेल मार्ग के जरिये देश के शेष हिस्सों से जोड़ने का सपना साकार हो पाया है। उन्होंने कहा, ''देश का दशकों से जम्मू-श्रीनगर-बारामूला रेलवे लाइन का सपना था। इसमें कई कठिनाइयां थीं, जैसे ऊंचे पर्वत और गहरी घाटियां। लेकिन हमें प्रकृति से नहीं लड़ना है... पुलों और सुरंगों के नेटवर्क के माध्यम से यह रेलवे लाइन हकीकत में तब्दील हो गई।''

वैष्णव ने कटरा में मोदी द्वारा कश्मीर के लिए वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के अवसर पर कहा, ''यह प्रधानमंत्री की दृढ़ इच्छाशक्ति और ठोस प्रयास के कारण संभव हुआ।'' उन्होंने रेल लाइन का जिक्र करते हुए कहा कि यह एक ऐतिहासिक दिन है क्योंकि ''मां भारती के मुकुट में एक और रत्न जुड़ गया है।'' रेल मंत्री ने यह भी कहा कि मोदी ने रेलवे मार्ग पर दो विशेष पुलों - चिनाब पुल और अंजी पुल का उद्घाटन किया। वैष्णव ने कहा, ''चिनाब पुल 359 मीटर ऊंचा है, जो (पेरिस के) एफिल टॉवर से भी ऊंचा है। यह दुनिया का सबसे ऊंचा मेहराबदार रेलवे ब्रिज है। इस लाइन पर 12.77 किलोमीटर लंबी टी50 सुरंग, सबसे लंबी परिवहन सुरंग है।'' उन्होंने कहा कि रेलवे लाइन के कटरा-बनिहाल खंड का निर्माण कार्य चुनौतीपूर्ण था और इस पर काम 2014 के बाद शुरू हुआ। एक सौ ग्यारह किलोमीटर के खंड में से 97 किमी सुरंगों से होकर और 7 किमी पुलों के ऊपर से गुजरता है।

उन्होंने कहा, ''नये आविष्कार हुए... हिमालय पर्वतमाला में सुरंग बनाने की पद्धति शुरू की गई। मैं उन सभी इंजीनियरों और तकनीशियनों को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में काम किया।'' रेल मंत्री ने यह भी कहा कि जम्मू स्टेशन पर बड़े पैमाने पर काम चल रहा है, जहां सितंबर तक तीन प्लेटफॉर्म बनकर तैयार हो जाएंगे। उन्होंने कहा, ''आज ट्रेन को कटरा से रवाना किया, यह जम्मू-श्रीनगर वंदे भारत ट्रेन है और सितंबर से, यह जम्मू से परिचालित होगी।''

नेपाली व्यक्ति ने लिव-इन पार्टनर की हत्या कर शव को बैग में डाला: तेलंगाना पुलिस

हैदराबाद/भाषा। पुलिस ने यहां एक महिला की हत्या का मामला सुलझा लिया है, जिसका शव एक सुनसान इलाके में 'ट्रैवल बैग' में मिला था। हत्या के आरोप में उसके लिव-इन पार्टनर को गिरफ्तार किया गया है।

साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय की ओर से शुक्रवार को जारी एक विज्ञप्ति में बताया गया कि महिला (33) और आरोपी (30) (दोनों नेपाल के मूल निवासी) का परिचय सोशल मीडिया मंच के जरिए हुआ था और उनके बीच संबंध बन गए थे।

चार जून को महिला का शव बाचुपल्ली क्षेत्र में झाड़ियों में एक बड़े ट्रैवल बैग में मिला और उसकी शुरुआत में पहचान नहीं हो पाई थी। इस संबंध में, बाचुपल्ली पुलिस थाने में हत्या का एक मामला दर्ज किया गया। पुलिस उपायुक्त (बालानगर जोन) के सुरेश कुमार ने कहा कि आरोपियों का पता लगाने के लिए पांच विशेष दल गठित किये गए हैं।

केंद्र और राज्य सरकार मिलकर उत्तराखंड को बनाएंगे 'बागवानी हब': कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र और उत्तराखंड सरकार मिलकर प्रदेश को बागवाानी का 'नेशनल हब' बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

केंद्रीय मंत्री ने डोईवाला विधानसभा के रायपुर खंड के पाववाला सौड़ा गांव में 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' के तहत किसान चौपाल में किसानों से कहा, उत्तराखंड के फल, अनाज और सब्जियों की गुणवत्ता अद्वितीय है और उनमें वैश्विक स्तर पर पहचान बनाने की पूरी क्षमता है। उन्होंने कहा, केंद्र और राज्य सरकार मिलकर उत्तराखंड को बागवानी का राष्ट्रीय हब बनाएंगी। चौहान ने इस दौरान 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत पौधरोपण भी किया। केंद्रीय कृषि मंत्री ने लीची, बासमती चावल, कटहल और सब्जी उत्पादकों के साथ बातचीत की और बीज, सिंचाई, विपणन, फसल बीमा योजना व कृषि उत्पादों के उचित मूल्य के संबंध में अपनी बातें रखीं। उन्होंने कहा, मैं स्वयं किसान परिवार से हूं, किसान का दर्द जानता हूं। इसी कारण आज सीधे खेत में आकर खाट पर बैठा हूं, ताकि यह जान सकूं कि सरकार की योजनाओं का लाभ जमीन तक पहुंच रहा है या नहीं। किसानों से सीधा संवाद ही उनकी सशक्त भागीदारी सुनिश्चित करता है। चौहान ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार खेती के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार, उत्तराखंड सरकार के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करेगी कि यहां के किसानों को न केवल आधुनिक कृषि तकनीकों का लाभ मिले, बल्कि उनके उत्पादों के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बाजार भी उपलब्ध हो। चौहान ने यह भी कहा कि प्राकृतिक खेती, तकनीकी नवाचार और जल संरक्षण पर विशेष बल देकर खेती को भविष्य में अधिक लाभकारी बनाया जाएगा।

बैंकों में विदेशी स्वामित्व की सीमा बढ़ाने पर फिलहाल कोई कदम नहीं: आरबीआई गवर्नर

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि फिलहाल किसी वित्तीय संस्थान में विदेशी स्वामित्व की सीमा 15 प्रतिशत से अधिक बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

मल्होत्रा ने यहां आरबीआई मुख्यालय में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि आरबीआई बैंकों में स्वामित्व ढांचे और पात्रता मानदंड जैसे विभिन्न मुद्दों पर फिर से विचार करने की कवायद करेगा। हालांकि, मल्होत्रा ने कहा कि भारत जैसी बढ़ती अर्थव्यवस्था को अधिक बैंकों की जरूरत है। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि हमें ऐसे मालिकों और प्रबंधकों की जरूरत है, जो भरोसेमंद हों। मल्होत्रा ने कहा, हम गैर-निवासियों के लिए 15 प्रतिशत की अनुमति देते हैं, और यह मामला-दर-मामला आधार पर 15 प्रतिशत से ऊपर भी जा सकता है। इस व्यवस्था में जल्द या तुरंत कोई बदलाव नहीं होने वाला है। आरबीआई किसी एक विदेशी संस्था को किसी ऋणदाता में 15 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने की अनुमति देता है लेकिन इसमें कुछ अपवाद भी हैं।

बेंगलूरु भगदड़ : मुख्यमंत्री ने पुलिस आयुक्त और अधिकारियों के निलंबन का बचाव किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत के लिए बेंगलूरु के पुलिस कमिश्नर बी. दयानंद और अन्य पुलिस अधिकारियों के निलंबन का बचाव करते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को कहा कि प्रथम दृष्टया प्रतीत होता है कि जिन लोगों ने अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभाई, उन्हें निलंबित किया गया है।

उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल (एस) पर इस मुद्दे को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाया। भाजपा और जद (एस) ने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार के इस्तीफे की मांग की है और उन पर पुलिस अधिकारियों को बलि का बकरा' बनाने का आरोप लगाया है। इस संबंध में सवाल पूछे जाने पर सिद्दरामय्या ने कहा, ''वे राजनीति के लिए बोल रहे हैं। मैं इस मामले में राजनीति नहीं करना चाहता। प्रथम दृष्टया जो जिम्मेदार हैं, जिन्होंने अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभाई है, उन्हें निलंबित कर दिया गया है।''

मुख्यमंत्री ने बृहस्पतिवार को कब्बन पार्क थाना क्षेत्र के पुलिस इंस्पेक्टर ए. के. गिरीश और सहायक पुलिस आयुक्त सी. बालकृष्ण, केंद्रीय संभाग के पुलिस उपायुक्त शेखर एच. टेककन्नावर, स्टेडियम के प्रभारी रहे अतिरिक्त पुलिस आयुक्त विकास कुमार विकास तथा पुलिस आयुक्त बेंगलूरु शहर दयानंद को तत्काल निलंबित

करने के निर्णय की घोषणा की थी। निलंबन आदेश में कहा गया है, ''यह पाया गया है कि इन अधिकारियों द्वारा कर्तव्य के प्रति काफी लापरवाही बरती गई है।''

भगदड़ बुधवार शाम को स्टेडियम के सामने हुई, जहां आरसीबी टीम की आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) की जीत के जश्न में भाग लेने के लिए बड़ी संख्या में लोग उमड़े थे। इस घटना में 11 लोगों की मौत हो गई और 56 लोग घायल हो गए। निलंबन आदेश के अनुसार, आरसीबी के सीईओ ने तीन जून को बेंगलूरु शहर के पुलिस आयुक्त को चार जून को विजय परेड और समारोह आयोजित करने के बारे में सूचित किया था।

हालांकि, पुलिस आयुक्त का कार्यालय आयोजकों को लिखित जवाब नहीं दे पाया और इतने बड़े आयोजन की तैयारी के लिए समय की कमी के आधार पर अनुमति को अस्वीकार कर दिया। आदेश में कहा गया है कि रॉयल चैलेंजर्स ऑफ बेंगलूरु (आरसीबी) और क्रिकेट एसोसिएशन ने जश्न के बारे में ट्वीट किया और टिकट या पास जारी करने की सामान्य प्रक्रिया अपनाए बिना प्रशंसकों को चिन्नास्वामी स्टेडियम में आमंत्रित किया। इन घटनाक्रमों की जानकारी होने और पुलिस द्वारा क्रिकेट प्रशंसकों की भारी भीड़ की उम्मीद के बावजूद, स्टेडियम में कार्यक्रम को व्यवस्थित रूप से आयोजित करने या जनता को उनकी सुरक्षा के लिए आवश्यक एहतियात बरतने के संबंध में पर्याप्त जानकारी देने अथवा भीड़ प्रबंधन को लेकर अतिरिक्त पुलिस बल उपलब्ध कराने जैसे कदम नहीं उठाए गए।

इसके अलावा, मामले में आवश्यक मार्गदर्शन और सलाह लेने के लिए उच्च अधिकारियों के साथ स्थिति पर चर्चा नहीं की गई। नतीजतन, स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई और कई लोगों की जान चली गई, जो सरकार के लिए शर्मिंदगी का कारण बनी।

बेंगलूरु भगदड़ के लिए पुलिस अधिकारियों को 'बलि का बकरा' बनाया गया : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में विपक्षी दल भाजपा और जद (एस) ने बेंगलूरु में हुई भगदड़ के लिए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार को जिम्मेदार ठहराते हुए शुक्रवार को कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार इस घटना के लिए पुलिस अधिकारियों को 'बलि का बकरा' बना रही है। जनता दल (एस) के नेता एवं केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने भगदड़ की घटना के लिए पांच अधिकारियों के निलंबन को एक 'भूल' करार देते हुए कहा कि इस सरकार को सत्ता से बाहर किया जाना चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने इस घटना को लेकर मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के इस्तीफे के अलावा उनके खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग भी की। बेंगलूरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास बुधवार को मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई और 56 लोग घायल हो गए। इस दौरान हजारों की संख्या में प्रशंसक रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) की आईपीएल में पहली खिताबी जीत के जश्न में भाग लेने के लिए पहुंचे थे। इस घटना को लेकर विपक्षी दल भाजपा और जद (एस) ने संयुक्त रूप से राज्य सरकार पर निशाना साधा है।

राज्य सरकार ने इस घटना के सिलसिले में कर्तव्य में लापरवाही बरतने के आरोप में बृहस्पतिवार को बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त बी दयानंद और चार अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया।

कुमारस्वामी ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, 22कल पांच पुलिस अधिकारियों को निलंबित करने का फैसला इस सरकार की एक और बड़ी गलती है। इस घटना के लिए पूरी गलती सरकार की है। आरसीबी की इस आईपीएल जीत का दुरुपयोग कर अपनी छवि बनाने के लिए मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री दोनों ने वरिष्ठ अधिकारियों की सलाह के खिलाफ जाकर इस जीत का जश्न आयोजित करने का फैसला लिया है।''

कुमारस्वामी ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''अब चार जून को हुई भगदड़ की घटना के बाद सरकार इसे पुलिस की विफलता बता रही है। पुलिस की विफलता का मतलब है सरकार की विफलता। मेरे हिसाब से इस सरकार को सत्ता से बाहर करना चाहिए।'' विजयेंद्र ने कहा कि सिद्दरामय्या ने अपनी प्रतिष्ठा बचाने के लिए पुलिस अधिकारियों को निशाना बनाकर उन्हें 'बलि का बकरा' बना दिया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, ''इस पूरे प्रकरण में बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त को बलि का बकरा बनाया गया है। लेकिन यह खुफिया विभाग की विफलता थी और खुफिया विभाग सिद्दरामय्या के पास है।''

उन्होंने इस घटना को लेकर दर्ज प्राथमिकी में आरसीबी, डीएनए इवेंट मैनेजमेंट फर्म और केएससीए को आरोपी बनाने को लेकर कहा, ''लेकिन इस पूरे प्रकरण में आरोपी नंबर एक खुद मुख्यमंत्री हैं, आरोपी नंबर दो उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार हैं। उन्हें आरोपी नंबर एक और दो के रूप में नामित किया जाना चाहिए, क्योंकि यह राज्य सरकार की ओर से सरासर लापरवाही है, जिसके कारण यह हादसा हुआ।'' विजयेंद्र ने कहा कि मुख्यमंत्री को इस घटना के लिए अधिकारियों को बलि का बकरा बनाने के बजाय स्वयं जिम्मेदारी लेनी होगी। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री को अपना इस्तीफा देना होगा और डी के शिवकुमार को भी इस्तीफा देना होगा।'' विजयेंद्र ने सवाल किया कि जब पुलिस ने जीत के जश्न के आयोजन से इनकार कर दिया था, तो फिर सरकार ने विधान सौधा की सीढ़ियों पर विजय उत्सव आयोजित करने का निर्णय कैसे लिया।

बेंगलूरु भगदड़ मामले की न्यायिक जांच कराई जाए : अशोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता आर.अशोक ने शुक्रवार को राज्य की सिद्दरामय्या नीत कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि शहर के चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर बुधवार को मची भगदड़ और 11 लोगों की मौत के मामले में पुलिस अधिकारियों को बलि का बकरा' बनाया जा रहा है जबकि राज्य सरकार 'गुनहगार' है। अशोक ने कहा कि भाजपा तब तक लड़ेगी जब तक मामले को न्यायिक जांच के लिए नहीं सौंपा जाता और दोषियों को सजा नहीं मिल जाती।

भाजपा नेता ने यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मुख्यमंत्री ने राज्य की कानून व्यवस्था को लेकर अंधेरे में रखा है।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा, यह महान समाजवादी, आनंदप्रिय सिद्दरामय्या की वजह से है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि चार जून को विधान सौध (राज्य विधानसभा परिसर) में सम्मान समारोह के दौरान मंच पर कांग्रेस नेताओं के हाथ में आईपीएल ट्रॉफी थी और वर्षों से मेहनत करने वाले खिलाड़ियों को दरकिनार कर दिया गया।

उन्होंने कहा, कांग्रेस के कुछ नेता बता रहे हैं कि इस कार्यक्रम को आयोजित करने का फैसला जल्दबाजी में लिया गया। कांग्रेस ने अपनी रैलियों के लिए बेंगलूरु में व्यापक तैयारी की थी, यहां तक कि बाढ़ के दौरान भी। हालांकि, युवाओं से जुड़े एक खेल आयोजन के लिए कोई तैयारी नहीं की गई। अगर कांग्रेस की रैलियों में की गई मेहनत का एक प्रतिशत भी यहां किया गया होता, तो युवाओं की जान बचाई जा सकती थी। भाजपा नेता ने दावा किया कि कर्नाटक के इतिहास में पहली बार किसी पुलिस आयुक्त को निलंबित किया गया है जबकि जनता सोशल मीडिया पर कह रही है कि वह पुलिस के साथ खड़ी है।

उन्होंने कहा, पुलिस ने घायल युवकों को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन वहां कोई कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद नहीं था। फिर भी, पुलिस (कर्मियों) को निलंबित कर दिया गया है। हम न्याय मिलने तक अपनी राजनीतिक लड़ाई जारी रखेंगे और किसी को बलि का बकरा बनाने के खिलाफ हैं। अशोक ने इंगित किया कि पुलिस आयुक्त ने कार्यक्रम की अनुमति देने से इनकार कर दिया था और प्राथमिकी में कहा गया है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) के फ्रेंचाइजी ने शाम (चार जून) को कार्यक्रम आयोजित करने का फैसला किया।

केएससीए पदाधिकारियों ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया

बेंगलूरु। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के अध्यक्ष रघु राम भट और कुछ अन्य पदाधिकारियों ने चिन्नास्वामी स्टेडियम में भगदड़ मामले में उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द कराने के लिए शुक्रवार को कर्नाटक उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया।

पुलिस ने आरसीबी, आयोजन करने वाली कंपनी 'डीएनए एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड' और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के खिलाफ बृहस्पतिवार को प्राथमिकी दर्ज की थी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने भी बृहस्पतिवार को भगदड़ के सिलसिले में आरसीबी, डीएनए एंटरटेनमेंट और केएससीए के प्रतिनिधियों को तुरंत गिरफ्तार करने का निर्देश अधिकारियों को दिया था।

लोगों में विश्वास पैदा करना व शांतिपूर्ण माहौल उपलब्ध कराना प्राथमिकता : पुलिस आयुक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु शहर के पुलिस आयुक्त का पदभार संभालने के कुछ ही घंटों बाद सीमांत कुमार सिंह ने शुक्रवार को कहा कि मुख्य प्राथमिकता लोगों में विश्वास पैदा करना और उन्हें यहां रहने के लिए शांतिपूर्ण वातावरण प्रदान करना है। सिंह 1996 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी हैं। उन्होंने बृहस्पतिवार देर रात बेंगलूरु के शीर्ष पुलिस अधिकारी के रूप में कार्यभार संभाला। इससे पहले कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने बुधवार को चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई भगदड़ के सिलसिले में कर्तव्य में लापरवाही पर शहर के पुलिस आयुक्त बी. दयानंद और अन्य अधिकारियों को निलंबित कर दिया था। इस भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी और 56 लोग घायल हो गए थे। जिस परिस्थिति में उन्होंने कार्यभार संभाला, उस पर उन्होंने कहा, यह एक कठिन

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से मुलाकात करते हुए बेंगलूरु शहर के पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह

स्थिति है, इसमें कोई संदेह नहीं है। लेकिन बुनियादी पुलिस व्यवस्था मेरी प्राथमिकता है, और मैं अपने अधिकारियों के साथ चर्चा करूंगा और जनता व प्रेस तथा अन्य सभी लोगों द्वारा दिए गए सुझावों पर ध्यान दूंगा। उसके आधार पर, मैं एक-एक करके मुद्दों पर विचार करूंगा। इससे पहले, सिंह 'बेंगलूरु मेट्रोपॉलिटन टास्क फोर्स' में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक के पद पर कार्यरत थे।सिंह ने बताया, मैं अभी यह नहीं बता सकता कि मेरी प्राथमिकता क्या है, क्योंकि जब तक मैं अपने अधिकारियों से इस बारे में चर्चा नहीं कर लेता, तब तक यह कहना गलत होगा। लेकिन निश्चित रूप से, स्थिति चुनौतीपूर्ण है, और मुख्य प्राथमिकता लोगों के बीच विश्वास पैदा करना है। बेंगलूरु नगर पुलिस आपके लिए है और हमेशा आपके साथ रहेगी तथा आपको यहां रहने के लिए शांतिपूर्ण वातावरण प्रदान करेगी। भगदड़ की वजह बने 'सिस्टम' की कथित विफलता के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में पुलिस के शीर्ष अधिकारी ने कहा कि एक अधिकारी के तौर पर उनके लिए यह कहना बहुत जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा, कुछ चीजें गलत हुई होंगी। हम इस बारे में चर्चा करेंगे।

पुलिस के निर्णयों में राजनीतिक हस्तक्षेप के बारे में बढ़ती चिंता के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं है और वह बुनियादी पुलिसिंग पर ध्यान केंद्रित करेंगे तथा सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास करेंगे, हमारे पास जो भी सर्वोत्तम प्रथाएं हैं, उन्हें ध्यान में रखा जाएगा।

जब उनसे पूछा गया कि बेंगलूरु में भीड़ प्रबंधन और यातायात में क्या बदलाव की उम्मीद की जा सकती है, तो उन्होंने कहा, भीड़ प्रबंधन बहुत महत्वपूर्ण है, और निर्दोष लोगों की जान नहीं जानी चाहिए, या लोगों को यातायात के कारण परेशानी नहीं होनी चाहिए। यह बहुत महत्वपूर्ण है, लेकिन निश्चित रूप से इसके लिए बहुत विस्तृत दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिस पर मैं निश्चित रूप से गौर करूंगा।

अग्निवीरवायु प्रशिक्षुओं की पासिंग आउट परेड हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अग्नि वीर वायु प्रशिक्षुओं (एजीवीटी) के 5वें बैच की पासिंग आउट परेड (पीओपी) शुक्रवार को एयरमैन ट्रेनिंग स्कूल, बेलगावी में हुई। इसके साथ ही 1634 अग्निवीरवायु पुरुषों और महिलाओं का 22 सप्ताह का सख्त प्रारंभिक प्रशिक्षण पूरा हो गया। समारोह के निरीक्षण अधिकारी एयर वाइस मार्शल पीसीपी आनंद ने ड्रिल और अग्निवीरवायु के उत्साहपूर्ण प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने सफल प्रशिक्षुओं को बधाई दी और विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कार विजेताओं को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

एजीवीटी श्वेता को 'बेस्ट इन एकेडमिक्स', एजीवीटी कृष परगई को 'बेस्ट इन जीएसटी', एजीवीटी आशीष कुमार को 'बेस्ट मार्क्समैन' और एजीवीटी प्रवीण कुमार को 'बेस्ट ऑलराउंडर' चुना गया।

समीक्षा अधिकारी ने अग्निवीरवायु प्रशिक्षुओं से कहा कि वे वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों की निरंतर बदलती प्रकृति को देखते हुए सतर्क, अनुकूलनशील और अपने कर्तव्यों के लिए प्रतिबद्ध रहें। उन्होंने युवा योद्धाओं को निरंतर सीखने, नई चुनौतियों को स्वीकार करने तथा लगातार बदलते वैश्विक सुरक्षा परिवेश में मिशन के लिए तैयार रहने के वास्ते प्रोत्साहित करते हुए अनुकूलनशीलता के महत्त्व पर बल दिया। उन्होंने उनसे सर्विस के अंदर और बाहर, आचरण और सत्यनिष्ठा के उच्चतम मानकों को बनाए रखने का आह्वान किया।

यह कार्यक्रम अग्निवीरवायु के परिवारों के लिए गर्व का क्षण था, जो इस समारोह को देखने के लिए बड़ी संख्या में मौजूद थे। समीक्षा अधिकारी ने अभिभावकों का हार्दिक आभार जताया तथा एयरोस्पेस डिफेंडर्स की अगली पीढ़ी को आकार देने में उनके महत्त्वपूर्ण सहयोग को स्वीकार किया। उन्होंने युवाओं को कुशल अग्निवीरवायु के रूप में विकसित करने और सम्मान, साहस एवं प्रतिबद्धता के साथ राष्ट्र की सेवा करने के लिए तैयार करने में उनके उत्कृष्ट प्रयास के वास्ते एयर ऑफिसर कमांडिंग और एयरमैन ट्रेनिंग स्कूल के सभी कर्मियों की सराहना की।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण
(सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय)
जी–5 एवं 6, सेक्टर–10, द्वारका, नई दिल्ली–10075

31 मार्च, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए अनंकेक्षित वित्तीय परिणाम
(सेबी के परिपत्र संख्या सेबी/एचओ/डीडीएचएस_डीआईवी1/पी/सीआईआर/2022/0000000103 दिनांक 29 जुलाई, 2022 के अनुसार)

(रु. लाख में)

क्र. सं.	विवरण	समाप्त तिमाही		समाप्त वर्ष
		31 मार्च, 2025	31 मार्च, 2024	31 मार्च, 2025
		अनंकेक्षित	अंकेक्षित	अनंकेक्षित
1.	प्रचालनों से कुल आय*	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं
2.	अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (पिछली अवधि, कर, असाधारण एवं अथवा विशिष्ट मदों से पूर्व)	(30,844.01)	(28,553.26)	(84,139.95)
3.	कर पूर्व अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (असाधारण एवं अथवा विशिष्ट मदों के बाद)	(31,214.54)	(23,137.56)	(88,182.90)
4.	कर पश्चात् अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (असाधारण एवं अथवा विशिष्ट मदों के बाद)	(31,214.54)	(23,137.56)	(88,182.90)
5.	अवधि के लिए कुल व्यापक आय (अवधि के लिए लाभ/(हानि) (कर पश्चात) तथा अन्य व्यापक आय के बाद (कर पश्चात)**	(31,214.54)	(23,137.56)	(88,182.90)
6.	प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी (शेरधारकों का निधि)***	9,40,08,755.62	7,08,17,757.84	9,40,08,755.62
7.	संचिक कोष (पुनर्मूल्यांकन संचित कोष को छोड़कर)	–	–	–
8.	सिक्योरिटीज प्रीमियम खाता	–	–	–
9.	नेटवर्थ (6–7)	9,40,08,755.62	7,08,17,757.84	9,40,08,755.62
10.	प्रदत्त ऋण पूंजी/बकाया ऋण	2,44,60,406.54	3,35,37,319.66	2,44,60,406.54
11.	बकाया प्रतिदेय अधिमान्य शेयर्स	–	–	–
12.	ऋण इक्विटी अनुपात****	0.26	0.47	0.26
13.	प्रति शेयर अर्जन (प्रत्येक रु. ...../- का) (निरंतरता एवं गैर–निरंतरता प्रचालनों हेतु) 1. बेसिक 2. डायल्यूटेड	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं
14.	पूंजी विमोचन संचित कोष	–	–	–
15.	डिबेंचर विमोचन संचित कोष	–	–	–
16.	ऋण सेवा कवरेज अनुपात	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं
17.	ब्याज सेवा कवरेज अनुपात	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं

*प्राधिकरण के पास भारत सरकार की ओर से परिसंपत्तियां है, इसलिए संचालनों से कोई आय नहीं है।
**प्राधिकरण की लेखा नीति के आधार पर व्ययों को पूंजीकृत किया गया है।
***शेरयधारकों की निधि = पूंजी आधार, उप कर निधि, अतिरिक्त बजटीय समर्थन, इनवीट से आय, टोल प्लाजाओं के रखरखाव व्यय तथा रिज़र्व और अधिशेष/लाभ एवं हानि खाते के बकाया ऋण की कटौती के पश्चात् जमा टोल की वापसी के बाद की कुल राशि।
****ऋण इक्विटी अनुपात = बकाया ऋण/शेयरधारकों की निधि।
क) उपरोक्त विवरण एलओडीआर नियम के विनियम 52 के तहत स्टॉक एक्सचेंजों में दर्ज तिमाही/वार्षिक वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का सारांश है। तिमाही/वार्षिक वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज एवं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट (www.bseindia.com एवं www.nse.india.com) तथा भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की वेबसाइट (www.nhai.gov.in) पर उपलब्ध है।
ख) एलओडीआर नियम के विनियम 52(4) में संदर्भित अन्य लाइन मदों के लिए बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज एवं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज को उचित उद्घोषणा कर दी गई है तथा जो वेबसाइट (www.bseinida.com एवं www.nse.india.com) पर देखी जा सकती है।

प्राधिकरण के बोर्ड के लिए एवं की ओर से
दिनांक : 06.06.2025 ह./– ह./–
स्थान : नई दिल्ली सदस्य (वित्त) अध्यक्ष

सड़के ही नहीं, राष्ट्र का निर्माण भी

आरसीए में चल रहे विवादों से क्रिकेट प्रेमियों में निराशा का भाव : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार आने के बाद से ही राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) में चल रहे विवादों से क्रिकेट प्रेमियों में बड़ी निराशा का भाव है। प्रदेश में क्रिकेट के विकास के लिए राज्य सरकार को इसमें हस्तक्षेप करना चाहिए। गहलोत ने शुक्रवार को अपने बयान में यह बात कही। उन्होंने कहा कि आरसीए में एडहॉक कमिटी का गठन सरकार ने किया परन्तु लगातार चल रहे विवादों के कारण यहां आईपीएल तक का आयोजन चुनौतीपूर्ण हो गया। एडहॉक कमिटी, क्रीडा परिषद एवं खेल विभाग में विवाद चल रहे हैं और राज्य सरकार मूकदर्शक बनी हुई है। कानूनी तौर पर एडहॉक कमिटी केवल तीन महीने के लिए होती है जिसके दौरान चुनाव करवाने होते हैं परन्तु डेढ़ साल से चुनाव नहीं हुए हैं।

उन्होंने कहा कि वैभव गहलोत के आरसीए अध्यक्ष के कार्यकाल में आरसीए की चर्चा सकारात्मक कार्यों के लिए हुई। वर्ष 2019 के बाद बीसीसीआई से आरसीए पर लगा बैन हटा, राजस्थान में अंतरराष्ट्रीय एवं आईपीएल मैचों का आयोजन शुरू हुआ, आरपीएल समेत राज्यस्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं, जोधपुर के बरकतुल्लाह खां स्टेडियम का जीर्णोद्धार हुआ एवं वहां आरपीएल और सीसीएल के मैच का आयोजन हुआ तथा वेदांता समूह के साथ जयपुर के पास दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियमों में से एक बनाने की शुरुआत हुई। इस स्टेडियम का काम भी अब बन्द हो गया है। गहलोत ने कहा कि राजस्थान के क्रिकेट एवं क्रिकेट खिलाड़ियों के भविष्य तथा लाखों क्रिकेट प्रेमियों की भावनाओं को देखते हुए राज्य सरकार को हस्तक्षेप कर आरएसीए में चल रहे भयावह संघर्ष को बन्द कराना चाहिए जिससे राजस्थान में क्रिकेट का विकास हो सके।

जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर अधिकाधिक पात्र व्यक्ति तक पहुंचे : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिरोही। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने किसी भी राष्ट्र की प्रगति के लिए शिक्षा की स्थिति का उत्कृष्ट होना बेहद आवश्यक बताते हुए कहा है कि शिक्षा विभाग बच्चों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाने के लिए कार्य करें और उन्हें तर्क करना सिखाएं। दो दिवसीय दौरे पर शुक्रवार को यहां पहुंचे बागड़े ने जिला परिषद सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं की समीक्षा लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि शिक्षक भी सिर्फ टेक्स्ट बुक तक सीमित न होकर टेक्स्ट बुक से बाहर का ज्ञान भी विद्यार्थियों को दे।

उन्होंने नन्हें बच्चों को विद्यालय से जोड़ने के लिए शैक्षिक गतिविधियों में रोचकता जोड़ने की बात कही। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में खेल खेलने की प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया जाए ताकि बच्चों की मानसिक और शारीरिक क्षमता दोनों का ही विकास हो। उन्होंने भिक्षावृत्ति से जुड़े बच्चों को भी विशेष प्रयास कर शिक्षा से जोड़ने की बात कही। उन्होंने शिक्षा एवं महिला अधिकारिता विभाग के समन्वय से बालिकाओं को स्कूल से जोडने व कोई भी लडकी शिक्षा से न छूटे इसके लिए अधिक से अधिक प्रयास करने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने हरियालो राजस्थान की समीक्षा करते हुए कहा कि जितने पौधे लगाएं जाऐं उनकी सारसंभाल भी सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि गर्मी कम करने के लिए आवश्यक है कि अधिक से अधिक पौधे लगाए जाएं इसके लिए उन्होंने सभी को प्रेरित करने की बात कही साथ ही कहा कि इन कार्यों के लिए काश्तकारों के साथ भी सहभागिता सुनिश्चित की जाए एवं पौधारोपण के लिए ऐसे पौधो को चयन किया जाए जो जल्दी पनपे एवं छायादार हो।

बागड़े ने राजीविका के समूह द्वारा किए गए कार्यों पर चर्चा करते हुए कहा कि जिले में राजीविका के समुह द्वारा उत्पादित वस्तुओं की अधिक से अधिक मार्केटिंग की जाए एवं प्रत्येक को व्यवसाय के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने इस दौरान समुह द्वारा किए गए व्यापार की लागत एवं नफा आदि की भी जानकारी जुटाने की बात कही। उन्होंने शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में कचरा निस्तारण के प्रक्रिया की भी समीक्षा की तथा निस्तारण के लिए सटीक प्रक्रिया अपनाने, खाद बनाकर काश्तकारों को लाभान्ति करने की बात कही।

उन्होंने जिले में हर घर में शौचालय की समीक्षा करते हुए कहा कि ग्राम सेवकों द्वारा यह सर्वे करवाया जाए की हर घर में शौचालय है या नहीं। उन्होंने इस दौरान सामुदायिक शौचालयों की उपयोगिता, निर्माण एवं सारसंभाल पर भी चर्चा की। उन्होंने जिले में सड़कों की स्थिति पर चर्चा करते हुए कहा कि जिले में कोई भी गांव सड़क से वंचित न रहे इसके प्रयास किए जाए।

उन्होंने कहा कि किसी भी योजना की सफल क्रियान्विति तभी प्रासंगिक है जब उस समस्या का पूर्ण रूपेण समाधान हो, जिसके लिए वह योजना संचालित की गई। उन्होंने सभी अधिकारियों से अपने-अपने विभागों से संबंधित योजनाओं का लाभ समस्त पात्र तक पहुचाने की बात कही। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जिले में अब तक लाभान्वित हुए लाभार्थियों के बारे में बताए जाने पर राज्यपाल बागड़े ने अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछडे वर्ग के लाभार्थियों की जानकारी लेते हुए प्रत्येक पात्र को लाभान्वित करने की बात कही।

पूनिया आमेर में 'रन फॉर एनवायरमेंट' सैनिकों, युवाओं एवं आमजन के साथ दौड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर के आमेर में शुक्रवार को 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' के तहत पर्यावरण दौड़ और तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) हरियाणा प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डा सतीश पूनिया सीआईएसएफ जवानों, अधिकारी एवं कर्मचारी युवाओं, एनएसएस-एनसीसी कैडेटस आमजन एवं कार्यकर्ताओं के साथ शामिल हुए। डा पूनिया ने आमेर के नाहरगढ़ जैविक उद्यान में 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' के तहत रन फॉर एनवायरमेंट कार्यक्रम में श्रमदान एवं वृक्षारोपण कर तिरंगा यात्रा में शामिल हुए और जल संरक्षण तथा पर्यावरण संरक्षण की सभी को शपथ दिलाई।

कार्यक्रम में उपखण्ड अधिकारी आमेर बजरंग लाल स्वामी, तहसीलदार सौरभ गुर्जर, विकास अधिकारी पंचायत समिति आमेर दीनबंधु सुरोलिया आदि तथा अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

उन्होंने वहां मौजूद लोगों को शपथ दिलाते हुये आह्वान किया कि हम सभी इस जन-अभियान से जुड़कर हरित, स्वच्छ और समृद्ध राजस्थान के नव निर्माण में अपनी भागीदारी निभाएं।

भजनलाल शर्मा चिकित्सा मंत्री की धर्मपत्नी की अंत्येष्टि में शामिल हुए

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार को खींवसर (नागौर) में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर की धर्मपत्नी श्रीमती प्रीति कुमारी की अंत्येष्टि में शामिल हुए और शोक संतप्त परिजनों को ढांढस बंधाया। मुख्यमंत्री ने खींवसर में मोक्षधाम पहुंच कर स्व. प्रीति कुमारी की पार्थिव देह के अंतिम दर्शन किए और पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों को संबल प्रदान करने और इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति देने की ईश्वर से प्रार्थना की। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल, अरुण चतुर्वेदी सहित अंतिम यात्रा में शामिल हुए।

अधिकांश भागों में मौसम शुष्क रहने, गर्मी बढ़ने का अनुमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के अधिकांश भागों में अगले कुछ दिन मौसम शुष्क रहने व गर्मी बढ़ने की संभावना है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार राज्य के अधिकांश भागों में शुक्रवार से आगामी 4-5 दिन मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है। आज केवल कोटा-उदयपुर संभाग में कहीं-कहीं बादल गरजने के साथ हल्की बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर-पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर संभाग में 8 से 10 जून को अधिकतम तापमान 45-46 डिग्री सेल्सियस दर्ज होने व कहीं-कहीं लू चलने की संभावना है। इसी तरह बीकानेर संभाग व आसपास के इलाकों में 8 से 10 जून के दौरान 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से धूल भरी हवाएं चल सकती हैं। शुक्रवार सुबह तक के चौबीस घंटे में राज्य में कहीं-कहीं पर बादल गरजने के साथ हल्की वर्षा हुई। सर्वाधिक वर्षा उनियारा (टोंक), लाडनूं (नागौर) व छतरगढ़ (बीकानेर) में दर्ज की गई जिसे 10.0 मिलीमीटर मापा गया। इस दौरान सर्वाधिक अधिकतम तापमान जैसलमेर में 41.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

खान विभाग का लीज इंफोर्मेशन सिस्टम व डिमाण्ड व्यवस्था ऑनलाइन : टी. रविकान्त

जयपुर,। प्रदेश के खानधारक अब एक क्लिक पर अपनी लीज की प्रोफाइल को ऑनलाईन देख सकेंगे वहीं डिमाण्ड राशि की स्वयं जानकारी लेकर राषि जमा करा सकेंगे। खान एवं भूविज्ञान विभाग के प्रमुख सचिव श्री टी. रविकान्त ने बताया है कि प्रदेश के लीज इन्फोर्मेशन सिस्टम और डिमाण्ड सिस्टम की संपूर्ण प्रक्रिया को ऑनलाईन कर दिया गया है। नई व्यवस्था के तहत अब खनि अभियंता/सहायक खनि अभियंता द्वारा समस्त दस्तावेजों का ऑनलाईन सत्यापन किया जा सकेगा व संबंधित लीज धारक भी अपनी लीज संबंधित जानकारी ऑनलाईन देख सकेंगे। इसी तरह से लीजधारक द्वारा सरकार को देय राशि की जानकारी भी ऑनलाईन उपलब्ध होगी और लीजधारक देय राशि की स्वयं ऑनलाईन जानकारी लेकर राशि जमा करा सकेंगें। मुख्यमंत्री एवं खान मंत्री भजन लाल शर्मा ने खनिज प्रक्रिया को पारदर्शी और सरलीकृत बनानी समय समय पर आवश्यकता प्रतिपादित की हैं। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के निर्देशों के क्रम मे विभाग प्रक्रिया को ऑनलाईन करने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है। पिछले दिनों विभाग द्वारा माइनिंग प्लान अनुमोदन की संपूर्ण प्रक्रिया को भी पूरी तरह से ऑनलाईन कर दिया है। प्रमुख सचिव माइन्स टी. रविकान्त ने बताया कि खनिज खनन आदि आदि सभी जानकारी ऑनलाईन उपलब्ध होगी। संबंधित एमई-एएमई द्वारा ऑनलाईन रेकार्ड का सत्यापन किया जाएगा।

'डबल इंजन' सरकार का इंजन केवल धुआं फेंक रहा है : सचिन पायलट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने राजस्थान सरकार के डेढ़ साल के कार्यकाल पर कटाक्ष करते हुए शुक्रवार को कहा कि 'डबल इंजन' सरकार का इंजन केवल धुआं फेंक रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में अधिकारी हावी हैं और मनमर्जी से काम होता है। पायलट ने टोंक में मीडिया से बातचीत में एक सवाल के जवाब में कहा, पूरा देश यह जान चुका है कि भाजपा की 'डबल इंजन' की सरकार का इंजन केवल धुआं फेंक रहा है, कामयाब नहीं हो रहा।

'डबल इंजन' सरकार का संदर्भ केंद्र और राज्य में एक ही पार्टी की सरकार होने के लिए दिया जाता है। उन्होंने कहा, सरकार के डेढ़ साल के कार्यकाल को देखकर लगता है कि जो काम हम करके गये थे, जो हमने शुरू कर दिए थे और मंजूर कर दिए थे, वे इन कामों की देखरेख भी नहीं कर पा रहे। पायलट ने कहा, यह बहुत दुखद बात है कि सरकार का पूरा ध्यान सिर्फ दिल्ली के आकाओं को खुश करने में लगा हुआ है। अपनी कुर्सी बचाने के लिए पूरी सरकार सत्ता के संघर्ष में लगी है। अधिकारी हावी हैं। मनमर्जी से काम होता है। बड़े-बड़े पदों पर बैठे सत्ताधारी लोगों की कोई सुन नहीं रहा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पर जनता का पूरा भरोसा है और आने वाले समय में लोगों का आशीर्वाद उसे मिलेगा। एक बयान के अनुसार पायलट ने टोंक में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की और उन्हें बिजली, पेयजल और आम जनता की अन्य समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिये।

बजरी विवाद में हुई हत्या के तीन आरोपी जैसलमेर में गिरफ्तार

चित्तौड़गढ़। राजस्थान में चित्तौड़गढ़ के कोतवाली थाना क्षेत्र में गत दिनों बजरी माफिया के आपसी विवाद में गोलीबारी करके एक बदमाश की हत्या किये जाने के मामले के तीन आरोपियों को पुलिस ने जैसलमेर में एक होटल से गिरफ्तार कर लिया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरिता सिंह ने शुक्रवार को बताया कि गत 31 मई को राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित एक होटल पर खाना खा रहे चार युवकों को आधा दर्जन वाहनों में सवार होकर आए दो दर्जन बदमाशों ने बंधक बना लिया और जिले के अजयराज सिंह झाला की पिस्तौलों गोलियां चला हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि इस घटना के बाद पुलिस उनकी तलाश में थी। कुछ बदमाशों के जैसलमेर की एक होटल में होने की सूचना पर गुरुवार को स्थानीय पुलिस की सहायता से होटल में दबिश देकर हत्या में लिप्त हर्षवर्धन सिंह, बद्रीलाल जाट एवं मनोज गुर्जर को हिरासत में ले लिया।

राजस्थान सरकार की तीर्थ योजना पर अमल, पहली एसी ट्रेन से रामेश्वरम के लिए प्रस्थान, भजनलाल ने दिखाई हरी झंडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। देवस्थान विभाग, राजस्थान सरकार की वरिष्ठ नागरिक तीर्थयात्रा योजना- 2025 के अन्तर्गत बजट घोषणा अनुसार पहली वातानुकूलित ट्रेन शुक्रवार को जयपुर के दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन से रामेश्वरम के लिए रवाना हो गई। इस राजस्थान वाहिनी भारत गौरव पर्यटक ट्रेन को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साथ ही उन्होंने रिबन काटकर तीर्थ यात्रियों को कोच में प्रवेश दिलाया। रेलवे स्टेशन, जयपुर पर आयोजित भव्य कार्यक्रम में देवस्थान विभाग के मंत्री जोराराम कुमावत, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, सांसद मंजू शर्मा, जिलाध्यक्ष अमित गोयल, महापौर सौम्या गुर्जर, देवस्थान विभाग के शासन सचिव केके पाठक, आयुक्त वासुदेव मालावत, डीआरएम विकास पुरवार, अतिरिक्त आयुक्त प्रथम रतनलाल योगी, द्वितीय महेंद्र देवतवाल आदि मौजूद रहे। इससे पहले आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने तीर्थ यात्रियों के लिए ट्रेन में साउंड सिस्टम लगाकर धार्मिक भजन सुनाने के लिए कहा। इससे पहले जोराराम कुमावत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का सम्मान किया। देवस्थान विभाग के मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि सवाईमाधोपुर के रास्ते रामेश्वरम, मदुरै की तीर्थ यात्रा के लिए जा रहे तीर्थ यात्रियों को तुलसी माला व पटवस्त्र भेंट किए गए हैं। आठ दिवसीय यात्रा में यह ट्रेन रामेश्वरम में रामनाथ स्वामी ज्योतिर्लिंग, धनुषकोटि, ब्रह्मकुंड और मदुरै में प्रसिद्ध मीनाक्षी मंदिर के दर्शन मुख्य रूप से कराएगी। देवस्थान विभाग की तीर्थयात्राओं में यह सर्वाधिक दूरी की यात्रा है। यात्रा में सभी यात्रियों की देख-रेख हेतु एक ट्रेन प्रभारी, प्रत्येक कोच में दो सरकारी कर्मचारी अनुदेशक, साथ ही एक डॉक्टर व दो नर्सिंग अधिकारी भी रहेंगे। सभी तीर्थ यात्रियों के लिए देवस्थान विभाग की ओर से भोजन, भ्रमण, यातायात व रुकने की व्यवस्था नि:शुल्क रहेगी।

उन्होंने कहा कि यह प्रयास किया गया है कि राजस्थानी वरिष्ठजन इस ट्रेन में सवार होकर अपनी धरती व संस्कृति पर गर्व कर सकें, साथ ही यह ट्रेन जहां जाये, वहां अन्य लोगों को भी आकर्षित कर राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा दे। राजस्थान की प्रकृति व संस्कृति के अनुरूप सुसज्जित यह ट्रेन बाहर से पैलेस ऑन व्हील्स से भी अधिक भव्य दिखेगी। राजस्थान वाहिनी भारत गौरव पर्यटक ट्रेन में कुल 14 कोच हैं, जिसमें 10 यात्री कोच हैं। राजस्थान के दुर्ग, पुरासम्पदा, मंदिर, नृत्य, वाद्य, उत्सव, कला आदि वैशिष्टय की थीम पर अलग-अलग डिब्बों को सजाया गया है। मरुधरा में सूर्योदय व सूर्यास्त की स्वर्णिम आभा को प्रदर्शित करने के लिए इसकी थीम में पीताभ केसरिया रंग को वरीयता दी गयी है। डिजाइन में राजस्थान के राजसी स्वरूप के साथ-साथ मंदिर व शुभत्व के विविध प्रतीकों व चिह्नों का भी प्रयोग किया गया है। डिजाइन में राजस्थान की पहचान बने पशु-पक्षियों को भी विशेष स्थान दिया गया है। इनमें गाय व ऊँट के अतिरिक्त रणथम्भौर के बाघ व तालछापर के कृष्णमृग को भी स्थान दिया गया है।

ट्रेन में एक कोच को विशेष रूप से भारतीय सेना में राजस्थान के योगदान को समर्पित किया गया है, जिसमें जैसलमेर वार म्यूजियम, तनोट बॉर्डर, महाजन (महाद्वीप की सबसे बड़ी) फायरिंग रेंज का चित्रण प्रमुख है। पैंट्री कार में राजस्थान के व्यंजनों को भी प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया है। केर-सांगरी, बाजरे की रोटी, राबड़ी, लस्सी, कुल्फी आदि का प्रदर्शन किया गया है। इसी प्रकार पावर कार को भी विशेष रूप से सुसज्जित किया गया है। कार्यक्रम स्थल पर तीर्थयात्रियों के लिए अयोध्या के रामलला की सजीव झांकी सजाई गई।

अयोध्या के राम मंदिर में 45 किलोग्राम सोने का किया गया इस्तेमाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण में 45 किलोग्राम खरा सोने का इस्तेमाल किया गया, जिसकी कीमत करीब 50 करोड़ रुपए है।

राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने शुक्रवार को बताया कि मंदिर में कुल 45 किलोग्राम खरा (24 कैरेट) सोने का इस्तेमाल किया गया है।

बृहस्पतिवार को राम जन्मभूमि मंदिर के प्रथम तल पर भगवान राम, देवी सीता और भाई लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न तथा राम भक्त हनुमान से सजे राम दरबार की पूरे विधि-विधान से प्राण प्रतिष्ठा की गई थी।

मिश्रा ने बताया कि मंदिर में इस्तेमाल किये गए सोने का अनुमानित मूल्य लगभग 50 करोड़ रुपए है। मंदिर के भूतल पर बने दरवाजों और भगवान राम के सिंहासन में बड़े पैमाने पर सोने का इस्तेमाल किया गया है। इसके अलावा, शेषावतार मंदिर में सोने का काम अब भी जारी है। उन्होंने बताया कि राम मंदिर के मुख्य ढांचे का निर्माण पूरा हो चुका है, लेकिन संग्रहालय, सभागार और अतिथि गृह समेत मंदिर परिसर के अन्य हिस्से अभी निर्माणाधीन हैं, जिनके दिसंबर 2025 तक पूरा होने की उम्मीद है। मिश्रा ने कहा कि बृहस्पतिवार को राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा होने के बाद, अब वहां लोगों के पहुंचने की व्यवस्था की जा रही है। फिलहाल, केवल सीमित संख्या में ही श्रद्धालुओं को राम दरबार में प्रवेश करने की अनुमति दी जाएगी। इसके लिए श्रद्धालुओं को पास लेने होंगे जो निःशुल्क जारी किए जाएंगे। इस बीच, प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद से मंदिर में श्रद्धालुओं की अच्छी-खासी भीड़ उमड़ रही है। राम मंदिर ट्रस्ट के सचिव चंपत राय ने कहा कि बृहस्पतिवार को मंदिर में सात विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा का समारोह सम्पन्न हुआ। उन्होंने कहा कि गर्भगृह के ऊपर स्थित पहली मंजिल पर स्थापित मूर्तियों में बीच में राम दरबार, उत्तर-पूर्वी कोने में शिवलिंग, दक्षिण-पूर्वी कोने में गणपति, दक्षिणी भाग के मध्य में हनुमान, दक्षिण पश्चिमी कोने में सूर्य, उत्तर-पश्चिमी कोने में भगवती और उत्तरी भाग के मध्य में अन्नपूर्णा माता शामिल हैं। चंपत राय ने बयान में, श्रद्धालुओं को राम दरबार के दर्शन के लिए धैर्य रखने की सलाह दी, क्योंकि राम दरबार 20 फुट ऊंचा है, जिसके लिए करीब 40 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं और ऊपर जाने के लिए अभी पर्याप्त व्यवस्था नहीं हो पाई है, और लिफ्ट के निर्माण में समय लगेगा।

तृणमूल विधायक ने ऑपरेशन सिंदूर की तुलना 'भाजपा के युद्धोन्माद' से की, पार्टी ने किया किनारा

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस विधायक नरेन्द्रनाथ चक्रवर्ती ने कथित तौर पर यह कह विवाद खड़ा कर दिया है कि ऑपरेशन सिंदूर ''भाजपा द्वारा शुरू किए गए युद्धोन्माद के खेल के अलावा कुछ नहीं है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी महिलाओं सहित देशभक्त लोगों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।''

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ ने पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्धमान जिले के पंडाबेश्वर सीट से विधायक चक्रवर्ती के खिलाफ उनकी टिप्पणी के लिए प्राथमिकी दर्ज कराई है। पार्टी ने आरोप लगाया कि तृणमूल विधायक सशस्त्र बलों के शौर्य को कमतर करने की कोशिश कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और भाजपा विधायक सुभेंदु अधिकारी ने इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए मांग की कि तृणमूल विधायक की राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण से जांच करानी चाहिए ताकि पता लगाया जा सके कि उनके राष्ट्र विरोधी ताकतों से तो संबंध नहीं हैं। तृणमूल कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और पश्चिम बंगाल की मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने हालांकि चक्रवर्ती की टिप्पणी को उनकी निजी राय करार दिया है और कहा कि पार्टी ऐसी किसी टिप्पणी का समर्थन नहीं करती।

बिहार के दानापुर रेल मंडल के 100वें वर्ष में ऐतिहासिक इमारत को ढहाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/दानापुर/भाषा। बिहार में पटना जिले के ऐतिहासिक रेलवे शहर खगौल में लगभग 100 साल पुरानी एक धरोहर इमारत जिसे मूलत: एक प्रमुख मनोरंजन केंद्र के रूप में बनाया गया था, अब एक एलिवेटेड सड़क परियोजना के लिए उसे ध्वस्त कर दिया गया है।

दिल्ली-हावड़ा रेल लाइन पर प्रसिद्ध दानापुर स्टेशन के निकट 'ईस्ट इंडियन रेलवे' (ईआईआर) द्वारा इसे एक 'रेलवे इंस्टीटयूट' के रूप में स्थापित किया गया था। कुछ दशकों पहले तक, विभिन्न प्रकार के नाटकों और भव्य सामाजिक समारोहों के आयोजन के लिए जाना जाने वाला यह भवन अब इतिहास के पन्नों में सिमट गया है। बृहस्पतिवार को ध्वस्त करने के अभियान में शामिल दल ने लाल रंग की इस इमारत -- 'एन सी घोष इंस्टीट्यूट' -- के एक बहुत बड़े हिस्से को ध्वस्त कर दिया, जबकि एक बुलडोजर ने उस ढांचे को गिरा दिया जो लगभग एक सदी तक इस नगर की पहचान रहा था।

विडंबना यह है कि इस इमारत को गिराने की कार्रवाई ऐसे समय में हुई है, जब कुछ महीने पहले ही भारतीय रेलवे के दानापुर मंडल का शताब्दी समारोह पास के ही एक रेलवे स्टेडियम में आयोजित किया गया था। 'एन सी घोष इंस्टीट्यूट' की इमारत, जिसे ऐसा माना जाता है कि उसका नाम आजादी के बाद बदला गया था, को कई महीने पहले गिराने के लिए ''चिह्नित'' किया गया था। मामले से जुड़े लोगों ने पहले यह बताया था। उन्होंने कहा था कि यह परियोजना --दानापुर और बिहटा के बीच बनने वाली एलिवेटेड रोड के लिए थी।

सरकार ने जानबूझकर छीनी अब्बास अंसारी की सदस्यता : अखिलेश

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर मऊ क्षेत्र से सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के विधायक अब्बास अंसारी की सदस्यता जानबूझकर छीनने का आरोप लगाया।

यादव ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए अदालत द्वारा दो वर्ष की सजा सुनाये जाने के बाद अंसारी की विधानसभा सदस्यता समाप्त किए जाने संबंधी सवाल के जवाब में कहा, देखिए, अगर मैं ऐसा कुछ कहूंगा तो मेरे खिलाफ मुकदमा दर्ज हो जाएगा। अब्बास अंसारी की सदस्यता (विधानसभा की सदस्यता) जानबूझकर छीनी गई थी। सरकार ने जानबूझकर छीनी थी। अंसारी को नफरत भरा भाषण देने के मामले में सजा सुनाई गयी है। सपा अध्यक्ष ने कहा, अगर इन बयानों पर (सदन की) सदस्यता जा सकती है, तो सरकार में बैठे लोग क्या कह रहे हैं? क्या वे मुझे मेरे डीएनए की याद दिलाएंगे? क्या वे समाजवादियों से डीएनए के बारे में पूछेंगे? जिन लोगों ने डीएनए के बारे में कहा है उनकी सदस्यता न्यायाधीशों द्वारा क्यों नहीं छीनी जाती? जो लोग डीएनए पूछ रहे हैं, उनकी सदस्यता क्यों नहीं जा रही है? यादव ने मामले में जातिवादी पक्षपात का दावा करते हुए कहा, मुझे लगता है कि जाति के आधार पर फैसला लिया जाता है। कभी-कभी फैसला सुनाने के लिए कुछ लोगों को भेजा जाता है और तैनाती दी जाती है।

उत्तरी सिक्किम में बचाव अभियान फिर शुरू, 44 और लोगों को निकाला गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गंगटोक/भाषा। उत्तरी सिक्किम के छातेन में भूस्खलन की वजह से फंसे 44 पर्यटकों को निकाल लिया गया और शुक्रवार के लिए बचाव अभियान रोक दिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सुबह बचाव कार्य फिर से शुरू हुआ और हेलीकॉप्टरों की मदद से छातेन में फंसे पर्यटकों को निकाला गया।

यहां एक अधिकारी ने बताया, ''आज हेलीकॉप्टरों द्वारा कई उड़ानों के माध्यम से उत्तरी सिक्किम के छातेन से कुल 44 लोगों को निकाला गया है।'' उन्होंने बताया कि बचाए गए लोगों में 17 स्थानीय निवासी हैं। अधिकारी ने कहा, ''इस दौर के सफल समापन के साथ ही, फंसे हुए सभी पर्यटकों को अब छातेन से निकाल लिया गया है। इसके बाद अभियान को आधिकारिक तौर पर आज के लिए समाप्त कर दिया गया है।'' राज्य सरकार ने पहले कहा था कि छातेन में 64 लोग निकाले जाने का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी लोगों को सुरक्षित रूप से ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे, पाकयोंग लाया गया है, जहां से उन्हें बस द्वारा गंगटोक ले जाया जाएगा। अधिकारी ने कहा कि क्षेत्र में अब भी फंसे स्थानीय निवासियों को वापस निकालने की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है और आपदा प्रभावित क्षेत्र तथा वहां के लोगों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अधिकारियों ने बताया कि कुल मिलाकर 63 फंसे हुए लोगों को बृहस्पतिवार को हेलीकॉप्टरों की मदद से छातेन से निकाला गया, जिसमें अधिकतर लोग पर्यटक थे। छातेन इस सप्ताह के शुरू में भूस्खलन की चपेट में आ गया था। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार को खराब मौसम और चुनौतीपूर्ण भौगोलिक स्थिति के कारण बचाव अभियान रोक दिया गया था।

छातेन में एक जून की शाम एक सैन्य शिविर के भूस्खलन की चपेट में आने के बाद तीन सैन्यकर्मियों की मौत हो गई थी जबकि छह सैनिक लापता हो गए और कई अन्य घायल हो गए थे। लापता सैनिकों का पता लगाने के प्रयास जारी हैं।

....जिसकी हत्या के आरोप में काटी तीन वर्ष की सजा, वह जिंदा निकला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बरेली/भाषा। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में हत्या के मामले में सजा काट रहे एक व्यक्ति को इसलिए रिहा कर दिया गया क्योंकि जिस व्यक्ति की हत्या का उसपर आरोप था वह बिहार में जिंदा पाया गया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि ट्रेन में मोबाइल चोरी को लेकर हुए विवाद में अयोध्या निवासी नरेन्द्र दुबे पर एताब नाम के व्यक्ति की हत्या का आरोप था, जिसके लिए उसे तीन वर्ष जेल की सजा सुनाई गयी थी लेकिन जिस व्यक्ति की हत्या का आरोप उसपर था, वह जीवित निकला। पुलिस के मुताबिक, बिहार में एताब की ससुराल पक्ष के कुछ लोगों ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर प्रसारित किया, जिसे न्यायालय में पेश किया गया और उसके बाद अपर जिला न्यायाधीष ने दुबे को दोषमुक्त करार देते हुए रिहा करने का आदेश दिया।

शाहजहांपुर के सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता श्रीपाल वर्मा ने बताया कि जिस व्यक्ति की हत्या का आरोप है, वह अभी जिंदा है। उन्होंने बताया कि शव की शिनाख्त उसके पिता व अन्य रिश्तेदारों ने की थी और ऐसी स्थिति में अभियोजन का कोई दोष नहीं है। अधिकारी ने बताया कि जांच अधिकारी को भी दोषी नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि शव की शिनाख्त एताब के परिजन ने की थी। शाहजहांपुर के अपर जिला न्यायाधीश पंकज कुमार श्रीवास्तव ने बुधवार को वर्मा की दलीलों व साक्ष्य से सहमत होते हुए नरेन्द्र को दोषमुक्त करार देते हुए रिहा करने के आदेश दिए। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, राजकीय रेलवे पुलिस के बरेली थाने में 16 दिसंबर 2022 की रात तैनात सत्यवीर सिंह को जानकारी मिली कि दिल्ली-अयोध्या एक्सप्रेस के सामान्य डिब्बे 'डी टू' में दो लोगों के बीच मारपीट हुई है, जिसमें एक व्यक्ति ने दूसरे को तिलहर (शाहजहांपुर) स्टेशन के पास किसी स्थान पर चलती ट्रेन से बाहर फेंक दिया है।

अभियोजन पक्ष ने बताया कि अयोध्या की पहाड़गंज कालोनी निवासी आलोक ने फोन से इसकी सूचना देते हुए घटना का वीडियो भी भेजा था। पुलिस के मुताबिक, रात करीब एक बजे ट्रेन बरेली जंक्शन पर पहुंची, जहां सत्यवीर सिंह ने नरेन्द्र दुबे को पकड़ लिया। अभियोजन पक्ष ने बताया कि तिलहर पुलिस ने रेलवे ट्रैक के पास से शव बरामद कर लिया था।

सबसे बड़ी विफलता : कांग्रेस ने विदेश भेजे गए सरकारी प्रतिनिधिमंडलों की उपलब्धियों पर सवाल उठाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि विदेश भेजे गए संसदीय प्रतिनिधिमंडलों की उन देशों के प्रमुखों या प्रभावशाली लोगों के साथ बैठक की व्यवस्था कराने में केंद्र सरकार की असमर्थता उसकी विदेश नीति की सबसे बड़ी विफलता है। पार्टी ने पूछा कि इस कवायद से देश को क्या हासिल हुआ। कांग्रेस ने दावा किया कि मोदी सरकार की विफल विदेश नीति के कारण भारत को पूरी दुनिया में अपमानित होना पड़ रहा है।

पार्टी प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि कनाडा ने जी-7 बैठक के लिए भारत को आमंत्रित नहीं किया, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष-विराम का श्रेय ले रहे हैं, भारत अलग-थलग पड़ गया है और हमारे भरोसेमंद दोस्त हमसे दूरी बना रहे हैं। यहां इंदिरा गांधी भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में श्रीनेत ने दावा किया कि बड़े देश भारत के दुश्मन खेमे में नजर आ रहे हैं और पाकिस्तान जिसे हमने पूरी तरह से अलग-थलग कर दिया था, आज हीरो की तरह घूम रहा है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा, उसे (पाकिस्तान को) वैश्विक संस्थाओं में प्रतिनिधित्व का मौका मिल रहा है, वैश्विक संस्थाएं उसे वित्तीय सहायता दे रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले 45 दिनों में कश्मीर की ओर देखा तक नहीं, लेकिन आज वह फीता काटने कश्मीर पहुंच गए। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में पूरे देश के मन में कई सवाल उठते हैं। श्रीनेत ने आरोप लगाया, प्रधानमंत्री मोदी 11 साल से अधिक समय से सत्ता में हैं और 90 से अधिक देशों की यात्रा कर चुके हैं, लेकिन उनकी विफल विदेश नीति के कारण हमें कुछ भी हासिल नहीं हो सका।

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद दुनिया को आतंकवाद के खिलाफ भारत के कड़े रुख से अवगत कराने के लिए विभिन्न देशों की यात्रा करने वाले बहुदलीय कूटनीतिक प्रतिनिधिमंडलों का जिक्र करते हुए श्रीनेत ने कहा, जब आप विदेश में देश का प्रतिनिधित्व करते हैं, तो आपकी कुछ सीमाएं होती हैं। ऐसी कई बातें होती हैं, जो आप बोलना चाहते हैं, लेकिन विदेशी धरती पर आप बोल नहीं सकते। प्रतिनिधिमंडल भले ही न बोल पाए हों, लेकिन हम निश्चित रूप से बोलेंगे। उन्होंने कहा, हम जो सवाल उठा रहे हैं, वह यह है कि ये प्रतिनिधिमंडल विदेश गए, लेकिन हम उनकी महत्वपूर्ण लोगों से एक भी बैठक नहीं करा सके, जो हमारी विदेश नीति की पूर्ण विफलता साबित हुई।

कांग्रेस प्रवक्ता ने पूछा कि इन प्रतिनिधिमंडलों की यात्रा के बाद कितने देशों ने हमारे पक्ष में बोला। उन्होंने कहा, कितने देशों ने पाकिस्तान की निंदा की? कुवैत ने पाकिस्तानी वीजा पर 19 साल पुराना प्रतिबंध हटा दिया है, यह कैसे ठीक है? प्रतिनिधिमंडल वापस आ गए हैं और उन्होंने स्वीकार किया है कि वे वहां भारत के दूत की तरह थे और इन मुद्दों पर ज्यादा नहीं बोल सकते थे, लेकिन घर लौटकर वे इन मुद्दों को उठाएंगे। श्रीनेत ने कहा कि दिलचस्प बात यह है कि इनमें से अधिकतर प्रतिनिधिमंडलों की भारतीय मूल के लोगों, भारतीय दूतावासों और उच्चायोगों के अधिकारियों से मुलाकात करवाई गई। उन्होंने कहा कि अधिकतर प्रतिनिधिमंडल केवल एक अवर सचिव, एक पूर्व मंत्री और राज्य स्तर के एक मंत्री से ही मिल पाए।

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा, सरकार अपनी संसद को संबोधित क्यों नहीं कर रही है? वे विशेष सत्र नहीं बुलाना चाहते, लेकिन वे विदेशों में रह रहे भारतीयों को संबोधित करना चाहते हैं। यह कैसा दोहरा मापदंड है? और इन प्रतिनिधिमंडलों से हमें क्या हासिल हुआ? उन्होंने कहा, मैंने कई नीतिगत विफलताओं को उजागर किया है, जो हमारी विदेश नीति के पूर्ण पतन का नतीजा हैं और जिसके लिए भारत भारी कीमत चुका रहा है।

पति के मुंबई जाने के बाद नव विवाहिता ने देवर संग रचाई शादी

गोरखपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के संत कबीर नगर जिले में काम की तलाश में पति के मुंबई चले जाने के बाद एक नवविवाहिता ने अपने परिवार (ससुराल और मायके) की सहमति से देवर से शादी कर ली। हरिहरपुर नगर पंचायत के अध्यक्ष रवींद्र प्रताप शाही के कैंप कार्यालय में यह शादी हुई।

शाही ने बताया कि गोरखपुर के सहजनवा की रहने वाली खुशबू की शादी छह महीने पहले हरिहरपुर के कल्लू नाम के व्यक्ति से हुई थी हालांकि, शादी के एक महीने बाद ही कल्लू काम की तलाश में मुंबई चला गया। उन्होंने बताया कि समय के साथ खुशबू अपने देवर अमित के कथित तौर पर करीब आ गई और जब परिवार को उनकी बढ़ती नजदीकियों के बारे में पता चला, तो दोनों फरार हो गए।

शाही ने बताया कि बाद में उन्हें रिश्तेदारों द्वारा घर वापस लाया गया लेकिन दोनों ने हर हाल में एक साथ रहने पर जोर दिया। नगर पंचायत हरिहरपुर के अध्यक्ष शाही के कार्यालय में परिवार के सदस्यों और स्थानीय नेताओं की मौजूदगी में दोनों की शादी करा दी गयी।

'सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर' शर्मिष्ठा पनोली अंतरिम जमानत पर जेल से रिहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। सांप्रदायिक टिप्पणियों वाला वीडियो साझा करने से जुड़े मामले में कलकत्ता उच्च न्यायालय से अंतरिम जमानत मिलने के बाद 'सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर' शर्मिष्ठा पनोली को शुक्रवार को जेल से रिहा कर दिया गया।

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पनोली की अंतरिम जमानत याचिका बृहस्पतिवार को मंजूर कर ली थी। अदालत ने कहा था कि पनोली (22) के खिलाफ शिकायत में किसी संज्ञेय अपराध की बात सामने नहीं आई है। कोलकाता पुलिस ने विधि छात्रा पनोली को पिछले हफ्ते हरियाणा के गुरुग्राम से गिरफ्तार कर लिया था। उसके खिलाफ कोलकाता के गार्डन रीच पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज कराए जाने के बाद यह कदम उठाया गया था।

उच्च न्यायालय ने आदेश दिया कि पनोली को 10,000 रुपए की जमानत राशि और मुचलके पर रिहा किया जाए। अदालत ने पनोली को जांच में सहयोग करने और बिना अनुमति देश नहीं छोड़ने का निर्देश दिया। हालांकि, उच्च न्यायालय ने कहा कि अगर पनोली शिक्षा के उद्देश्य से विदेश जाना चाहती है, तो निचली अदालत उसके आवेदन पर विचार कर सकती है। रिहा किये जाने के बाद जेल से बाहर निकली पनोली ने नीली जींस और सफेद टी-शर्ट पहन रखी थी। उसने सर्जिकल मास्क भी लगा रखा था। जेल के बाहर मौजूद परिजन पनोली को कार में बैठाकर अपने साथ ले गए।

भारत की 'अपराध राजधानी' बन गया है बिहार: राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजगीर/गयाजी (बिहार)/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बिहार में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की शुक्रवार को आलोचना की और आरोप लगाया कि प्रदेश 'भारत की अपराध राजधानी' बन गया है।

नालंदा के राजगीर में 'संविधान सुरक्षा सम्मेलन' को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि सैन्य संघर्ष के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच शांति स्थापित करने के अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावों पर मोदी ने ''चुप्पी साधे रखी''। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ''बिहार, जिसे कभी शांति और न्याय की भूमि माना जाता था, अब भारत की अपराध राजधानी बन गया है।'' गांधी ने यह भी कहा कि उन्हें इस बात की आशंका है कि क्या केंद्र ऐसे में जाति जनगणना ठीक से करा पाएगा, जबकि 'प्रश्नावली को अंतिम रूप देने वालों में ओबीसी, दलित या आदिवासी समुदायों का कोई भी अधिकारी नहीं है।' गांधी ने कहा, ''मोदी सरकार कभी भी असली जाति जनगणना नहीं कराएगी, क्योंकि जिस दिन असली जाति जनगणना करा देंगे, उनकी राजनीति खत्म हो जाएगी। जाति जनगणना के दो मॉडल हैं- एक भाजपा मॉडल और दूसरा तेलंगाना मॉडल। भाजपा मॉडल में अधिकारी बंद कमरे में सवाल तय करेंगे। अधिकारियों के चुने हुए समूह में ओबीसी, दलित या आदिवासी समुदाय का कोई अधिकारी नहीं है।'' तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार है। उन्होंने कहा, ''मैं संविधान को बचाने और देश की समग्र बेहतरी के लिए जाति जनगणना के लिए लड़ रहा हूं... भविष्य में हम जब भी सरकार बनाएंगे, हम आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा हटा देंगे। इसकी शुरुआत बिहार से होगी।'' गांधी ने कहा, ''प्रधानमंत्री हर भाषण में कहते थे: 'मैं ओबीसी से हूं।' फिर जाति आधारित गणना पर वह कहते हैं कि भारत में कोई जाति नहीं है।'' कांग्रेस नेता ने आश्चर्य व्यक्त किया कि यदि देश में कोई जाति है ही नहीं तो नरेन्द्र मोदी ओबीसी कैसे हो गये। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष पर लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, ''ट्रंप की तरफ से एक फोन कॉल आया और नरेन्द्र मोदी जी ने तुरंत आत्मसमर्पण कर दिया। ट्रंप ने खुद कम से कम 11 बार सार्वजनिक रूप से इस बारे में (शांति स्थापित कराने के बारे में) कहा है। लेकिन, प्रधानमंत्री इस मुद्दे पर चुप हैं। मुझे पता है कि उनके पास इस पर कहने के लिए कुछ नहीं है।''

राहुल ने प्रधानमंत्री मोदी पर फिर किया 'आत्मसमर्पण' वाला कटाक्ष

राजगीर (बिहार)/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर फिर आत्मसमर्पण वाला कटाक्ष दोहराया, जिस पर हाल ही में भारतीय जनता पार्टी ने नाराजगी जताई थी।

लोकसभा में विपक्ष के नेता ने यह बात बिहार में आयोजित 'संविधान सुरक्षा सम्मेलन' में कही। इससे कुछ दिन पहले उन्होंने मोदी पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने झुकने का आरोप लगाया था। गांधी ने नालंदा जिले के राजगीर में कहा, ट्रंप ने कम से कम 11 बार कहा है कि उन्होंने मोदी को मजबूर किया है। हमारे प्रधानमंत्री विरोध में एक शब्द भी नहीं कह पा रहे। कारण यह है कि ट्रंप ने जो कहा है, वही हकीकत है।

उल्लेखनीय है कि गांधी ने इस सप्ताह की शुरुआत में भोपाल में दावा किया था कि पाकिस्तान के साथ सैन्य संघर्ष के चरम पर होने पर ट्रंप ने मोदी से कहा था, नरेन्द्र, सरेंडर। इस टिप्पणी से भाजपा नाराज हो गई थी। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने इसे देशद्रोह कहा था।

प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने आरोप लगाया था कि यह बयान हाफिज सईद जैसे आतंकवादियों द्वारा भारत के बारे में कही गई बातों से कहीं अधिक अपमानजनक है। राजगीर में अपने संबोधन में हालांकि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, मैं आरएसएस से लड़ रहा हूं और वे बहुत आसानी से आत्मसमर्पण कर देते हैं। उन्हें दया याचिका लिखने में ज्यादा समय नहीं लगता। बेशक, आधुनिक तकनीक ने पेन और कागज की जगह व्हाट्सऐप को जन्म दे दिया है। यह इशारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विचारक विनायक दामोदर सावरकर द्वारा ब्रिटिश राज को लिखी गई क्षमादान याचिका की ओर था, जब वह अंडमान की सेलुलर जेल में बंद थे।

सुविचार

जिस तरह पेड़ अपनी जड़ें मिट्टी में छुपा लेता है, राधा ने भी अपने प्रेम को दुनिया की नजरों से छिपा लिया था।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारतीय इंजीनियरिंग का कमाल

चिनाब नदी पर बना दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल भारतीय इंजीनियरिंग का शानदार नमूना है। यह देश की दृढ़ इच्छाशक्ति का एक और प्रमाण है। इसकी तस्वीरें देखकर लोग हैरान हैं। अक्सर जब कठिन भौगोलिक परिस्थितियों वाले इलाकों में निर्माण कार्यों की बात आती है तो अमेरिका और चीन का जिक्र होता है। अब दुनिया भारत की मिसाल देगी, जिसने ऐसे इलाके में सबसे ऊंचा रेलवे पुल बना दिया, जहां साजो-सामान लेकर जाना भी बहुत मुश्किल था। अगर देश ठान ले तो सबकुछ कर सकता है। यह पुल अपनेआप में एक अजूबा है। इस पर ट्रेनें दौड़ेंगी, जिससे यात्रियों का समय बचेगा। इसके अलावा यह पुल पर्यटकों में बहुत मशहूर होगा। लोग इसके साथ तस्वीरें लेंगे। दुनियाभर के पर्यटक इसे देखना चाहेंगे। इस पुल ने ऊंचाई के मामले में एफिल टावर को भी पछाड़ दिया है। अब सरकार और नागरिकों की जिम्मेदारी है कि सोशल मीडिया पर इसका प्रचार करें। एफिल टावर को हर साल साठ से सत्तर लाख लोग देखने आते हैं। इस पुल के आस-पास ऐसी सुविधाओं का निर्माण करना चाहिए, जिससे यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या करोड़ों में हो। खासकर यूट्यूबरों के लिए ऐसे इंतजाम करने चाहिएं, ताकि वे नाम मात्र का शुल्क देकर यादगार वीडियो बना सकें। सेल्फी या ग्रुप फोटो लेने वालों के लिए सुविधाओं का ध्यान रखा जाए। अगर इसका सही तरीके से प्रचार हो और आस-पास पर्याप्त सुविधाओं का निर्माण कर दिया जाए तो यह कुछ ही वर्षों में अपनी लागत निकाल लेगा। इस पुल की एक और बड़ी खूबी है- इसका 1,315 मीटर लंबा इस्पात का मेहराब! इतना लंबा मेहराब लगाने के लिए पूरी टीम ने बहुत मेहनत की है। इसमें जरा-सी चूक पूरे प्रोजेक्ट को मुश्किल में डाल सकती थी। टीम की इस बात के लिए भी सराहना होनी चाहिए कि उसने यह पुल बनाते समय भूकंपीय और वायु संबंधी परिस्थितियों का खास ध्यान रखा। यह पुल भूकंप के भारी झटकों और तेज तूफानों में भी अडिग रहेगा।

इस पुल का उद्घाटन करने आए प्रधानमंत्री मोदी जिस तरह तिरंगा लेकर चले, उसका संदेश बहुत दूर तक गया है। जहां भारत में लोगों को इससे गर्व की अनुभूति हो रही है, वहीं चीन और पाकिस्तान की आंखों में यह उपलब्धि कांटे की तरह खटक रही है। कभी भारत के सीमावर्ती इलाके ऐसे निर्माण कार्यों से वंचित रहते थे। उधर, चीन तिब्बत में पुलों, पटरियों और सड़कों का जाल बिछाता रहा। आज भारत भी तेजी से निर्माण कार्यों में जुटा है। अगर भविष्य में चीन उकसाने वाली कोई हरकत करेगा तो उसे भारत की ओर से तुरंत तथा ज्यादा ताकत के साथ जवाब मिलेगा। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में पुलों, सुरंगों, सड़कों आदि का निर्माण एक कठिन कार्य है, जिस पर लागत भी काफी आती है, लेकिन इनसे भारत की ताकत में इजाफा होगा। पुल पर तिरंगे के साथ प्रधानमंत्री मोदी की तस्वीरें जब सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान पहुंचीं तो कुछ लोगों ने अपनी सरकार से सवाल भी किए। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बड़े-बड़े प्रोजेक्ट चल रहे हैं, जबकि पीओके में अभी तक उन स्कूलों की हालत नहीं सुधरी, जो अक्टूबर 2005 में आए भूकंप के कारण क्षतिग्रस्त हो गई थीं। वहां कई गांवों में सड़क तक नहीं है। पाकिस्तान सरकार ने पीओके के निवासियों को चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के नाम पर अंतरराष्ट्रीय संगठनों से वित्तीय मदद ली थी। उसने वहां जो अस्पताल बनाए, उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होती रहती हैं। उनमें न डॉक्टर आते हैं और न मरीज दिखाई देते हैं। अलबत्ता वहां भेड़, बकरियां, खच्चर और आवारा जानवर आराम फरमाते जरूर मिल जाते हैं। अब समय आ गया है कि पीओके के लोगों को पाकिस्तान के नेताओं और रावलपिंडी के जनरलों से कुछ तीखे सवाल पूछने चाहिएं। पाकिस्तान के अवैध कब्जे से पीओके को क्या मिला? गरीबी, बदहाली, महंगाई, आतंकवाद, जुल्म और विकास से दूरी! पाकिस्तान के पास देने के लिए ये ही हैं। वह दुष्प्रचार कर लोगों को भ्रमित करने की कोशिश कर रहा है। अगर वह हकीकत में लोगों का हितैषी होता तो पीओके की यह हालत न करता। अक्लमंद को इसी से समझ जाना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

सामाजिक चेतना के पुरोधा पूज्य भगवान सिंह जी रोलसाहबसर के देहावसान के उपरांत आज संघ शक्ति कार्यालय पहुंचकर उनके पार्थिव देह के अंतिम दर्शन कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उनका संपूर्ण जीवन समाज सेवा को समर्पित रहा।

-दीया कुमारी

आज दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन, जयपुर पर प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों के लिए पहली बार वातानुकूलित 'राजस्थान वाहिनी भारत गौरव पर्यटक ट्रेन' द्वारा रामेश्वरम धाम एवं मदुरै की तीर्थ यात्रा को लेकर आयोजित शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

-भजनलाल शर्मा

क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक श्रद्धेय भगवान सिंह जी का निधन समाज और देश के लिए अपूरणीय क्षति है,एक यात्रा के दौरान संवाद के पश्चात आपसे एक आत्मीय जुड़ाव हुआ जो अभी तक रहा,संस्कारवान युवा शक्ति तैयार करने में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

-सतीश पूनिया

प्रेरक प्रसंग

खामोश क्रांति

एक सुबह, लंदन के सेंट मेरी अस्पताल की प्रयोगशाला में स्कॉटिश वैज्ञानिक अलेक्जेंडर फ्लेमिंग छुट्टियों से लौटकर अपने कार्यस्थल पहुंचे। उन्होंने देखा कि प्रयोगशाला में रखी बैक्टीरिया से भरी कुछ पेट्री डिशें खुली रह गई थीं। हैरानी की बात यह थी कि उनमें से एक डिश में एक अनजान फफूंद उग आया था। सामान्यतः कोई और वैज्ञानिक इसे कचरे में फेंक देता, लेकिन फ्लेमिंग की दृष्टि गहरी थी। उन्होंने गौर किया कि उस फफूंद के चारों ओर के बैक्टीरिया मर चुके थे। यह एक छोटी-सी, किंतु निर्णायक घटना थी।

उन्होंने उस फफूंद पर शोध शुरू किया और पता लगाया कि यह 'पेनिसिलियम नोटेटम' नामक एक कवक है, जो हानिकारक बैक्टीरिया को नष्ट करता है। यही खोज आगे चलकर 'पेनिसिलिन' के जन्म का आधार बनीदुनिया का पहला प्रभावी एंटीबायोटिक, जिसने लाखों लोगों की जान बचाई। उन्होंने बाद में लिखाकभी-कभी महत्वपूर्ण खोजें प्रयोगशाला में शोर नहीं करतींवे चुपचाप कोने में बैठी होती हैं, केवल देखने वाले की प्रतीक्षा में।

सामयिक

सरकार यानी राजनीतिक नेतृत्व की भूमिका साहसपूर्वक निर्णय करने के साथ सेना को करवाई और रणनीति की संपूर्ण स्वतंत्रता देना तथा अपने व्यवहार एवं कदमों से आश्वस्त करना कि कार्रवाई में किसी तरह की आवश्यकता में कमी नहीं होगी। कहने का तात्पर्य कि पाकिस्तान की सैन्य प्रतिक्रियाओं का उत्तर हमारी सेना दे रही थी। यह भी सच है कि टकराव शुरू होने के बाद विदेश के प्रमुख नेताओं ने राजनीतिक नेतृत्व से ही संपर्क किया होगा।

देश को छोटा दिखाने का प्रयास अच्छा कृत्य नहीं

अवधेश कुमार

मोबाइल : 9811027208

हमारे सामने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर देश के दो परस्पर विरोधी दृश्य हैं। विदेश गया सर्वदलीय सांसदों के प्रतिनिधिमंडल ने इस तरह भारत का पक्ष प्रस्तुत किया जैसे देश पाकिस्तान केंद्रित सीमा पार आतंकवाद, जम्मू कश्मीर तथा ऑपरेशन सिंदूर को लेकर पूरी तरह एकजुट था और कोई पक्ष- विपक्ष नहीं था। दूसरी ओर आप पहलगाम हमले से लेकर ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद देश के अंदर विपक्ष की भूमिका देखिए, किसी भी देशभक्त और सच्चाई का ज्ञान रखने वाले निष्पक्ष व्यक्ति का दिल दहल जाएगा या फिर उसको गुस्सा आएगा। ऐसा कोई दिन नहीं जब विपक्ष के बड़े नेता ऑपरेशन सिंदूर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार को घेरने की कोशिश नहीं कर रहे। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पहले दिन से प्रश्न उठा रहे हैं कि हमारे कितने लड़ाकू विमान को नुकसान हुआ। लगभग यही स्वर कांग्रेस के अध्यक्ष एवं राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे का है। जयराम रमेश ने तो लगता है जैसे ऑपरेशन सिंदूर को ही अपने सोशल मीडिया का मुख्य विषय बना दिया है। सबसे अंतिम हमला सिंगापुर शांग्रीला सम्मेलन में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ सीडीएस अनिल चौहान के भाषण और ब्लूमबर्ग को दिए साक्षात्कार पर है। सभी नेता एक साथ टूट पड़े हैं कि अब सरकार बताये कि कितने राफेल नष्ट हुए इस पर संसद का विशेष सत्र बुलायें तथा रिव्यू कमेटी यानी पुनरीक्षण समिति बनाया जाये।

इसमें यहां विस्तार से जाने की आवश्यकता नहीं है। सीडीएस का पूरा इंटरव्यू सबके सामने है। उसमें कहीं नहीं है कि पाकिस्तान ने हमारे कितने लड़ाकू विमान गिराये या हमें कोई बड़ी क्षति हुई। यह सामान्य बात है कि कोई भी युद्ध या लड़ाई एकपक्षीय क्षति वाली नहीं होती। यही सीडीएस ने कहा है। किसी को ज्यादा क्षति होगी किसी को कम। मूल बात यह है कि भारत ने पाकिस्तान के सैन्य दुस्साहस का ऐसा करारा प्रत्युत्तर दिया जिससे उसकी हुई व्यापक क्षति के बारे में दुनिया के विशेषज्ञ बता रहे हैं और उनसे संबंधित उपग्रह के चित्र आदि सामने ले जा चुके हैं।

कई बार लगता है कि हम सरकार को घेर रहे हैं सेना और देश को नहीं। किंतु इसका दूसरा पहलू यही है कि सरकार निर्णय करती है क्रियान्वित सेना करती है। सेना सरकार के लिए नहीं देश के लिए सैन्य कार्रवाई करती है। ऑपरेशन सिंदूर में सरकार ने यह तय नहीं किया होगा कि सेना कैसे कार्रवाई करे कि हथियार, लड़ाकू विमान, मिसाइल, रडार आदि का प्रयोग करें या कितने जवान उनमें लगें। जिस तरह पहलगाम हमले के बाद प्रधानमंत्री चीफ ऑफ़ डिफेंस स्टाफ, तीनों सेना के प्रमुखों से लेकर विदेश मंत्री, उनसे जुड़े मंत्रालय,रक्षा मंत्री, मंत्रालयों के अधिकारी एवं अन्य अलग-अलग आवश्यक क्षेत्र के शीर्ष लोगों से मिल रहे थे उससे साफ था की रणनीति पर गहराई से विचार हो रहा है। निश्चित रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने चरित्र के अनुरूप एक-एक पहलू समझने की कोशिश की होंगी। उदाहरण के लिए उनके कौन-कौन से ऐसे प्रमुख आतंकवादी अड्डे हैं, जिन्हें ध्वस्त करने से न केवल प्रतिशोध पूरा होगा, बल्कि पाकिस्तान की सेना और सत्ता को प्रत्युत्तर मिलेगा तथा सीमा पार से आतंकवादी गतिविधियां वर्षों तक संभव नहीं हो पाएगी। उन्हें कैसे ध्वस्त करेंगे, कैसे ध्वस्त करेंगे, कहां से करेंगे, उनका सीमा पर क्या असर होगा तथा पाकिस्तान किस तरह की प्रतिक्रिया दे सकता है और उसकी प्रतिक्रिया के प्रत्युत्तर में हमें किस तरह की तैयारी रखनी है ताकि उसमें भी हम उसे पस्त कर सकें। निश्चित रूप से सैन्य रणनीतिकारों ने अपनी पूरी स्थिति से अवगत कराते हुए उन्हें आश्वस्त किया होगा या फिर उनकी जो आवश्यकता होगी उसके बारे में बात की होगी।

सरकार यानी राजनीतिक नेतृत्व की भूमिका साहसपूर्वक निर्णय करने के साथ सेना को करवाई और रणनीति की संपूर्ण स्वतंत्रता देना तथा अपने व्यवहार एवं कदमों से आश्वस्त करना कि कार्रवाई में किसी तरह की आवश्यकता में कमी नहीं होगी। कहने का तात्पर्य कि पाकिस्तान की सैन्य प्रतिक्रियाओं का उत्तर हमारी सेना दे रही थी। यह भी सच है कि टकराव शुरू होने के बाद विदेश के प्रमुख नेताओं ने राजनीतिक नेतृत्व से ही संपर्क किया होगा। सरकार की ओर से अमेरिकी उपराष्ट्रपति, विदेश मंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार आदि ने कब-कब किसे कॉल किया इसका भी विवरण देश के सामने रखा जा चुका है। कहीं से ऐसा न एक संकेत है और न कोई कारण दिखता है जिससे डोनाल्ड ट्रंप युद्ध रोकने का दबाव बनाएं और भारत उसे स्वीकार कर ले। उनके भी वक्तव्य में क्या है? .. हमने दोनों देशों को समझाया .. उन्हें कहा कि आपके साथ पूरा ट्रेड करेंगे.. दोनों देश के नेताओं ने बुद्धिमता का परिचय दिया। हमने दो न्यूक्लियर यानी नाभिकीय संपन्न देशों के बीच नाभिकीय टकराव रोका आदि आदी। इसी में एक जगह उन्होंने किसी तटस्थ स्थान पर मध्यस्थता में बातचीत कराने का भी वक्तव्य दे दिया। यह बात अलग है कि अपनी मध्य पूर्व यात्रा के दौरान उन्होंने बोल दिया कि हमने कोई मध्यस्थता नहीं की।

सामान्य तौर पर भी जिन्होंने भारत के वक्तव्यों पर ध्यान दिया होगा उन्हें स्पष्ट है कि हमारे स्टैंड में किंचित भी अस्पष्टता नहीं थी। 10 मई को ही भारत ने साफ कर दिया कि किसी तरह की आतंकवादी घटना युद्ध मानी जाएगी। दूसरे, प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्र के नाम संबोधन, फिर आदमपुर और बीकानेर के भाषणों में एक-एक बिंदु रख दिया कि आतंकवाद और बातचीत, व्यापार और आतंकवाद नहीं चलेगा। यहां तक कि पानी और खून भी एक साथ नहीं बहेगा। यह भी कहा कि अब अगर आतंकवादी घटना हुई तो सेना को सीधा नुकसान उठाना पड़ेगा। हम इसे केवल आतंकवादियों की नहीं मानकर पाकिस्तान सरकार और सेना की कार्रवाई मानेंगे और उसी प्रकार प्रत्युत्तर देंगे। सबसे बढ़कर पाकिस्तान से बातचीत होगी तो केवल पाक अधिकृत कश्मीर पर।

बावजूद आप लगातार प्रश्न उठा रहे हैं तो इसे भारत या सेना का कतई समर्थन नहीं कहा जाएगा। यह सेना व देश दोनों का विरोध है। विडंबना देखिए कि अमेरिका भी नहीं कह रहा है कि हमने दबाव डालकर युद्धविराम कराया या रुकवाया, मध्यस्थता शब्द भी कहीं से नहीं आ रहा। अमेरिका गए प्रतिनिधिमंडल को भी ट्रंप प्रशासन के लोगों ने ऐसा नहीं कहा, हमारा दुश्मन और पाकिस्तान का समर्थन करने वाला चीन तक नहीं कह रहा कि भारत ने दबाव में युद्ध रोका और भारत-पाक के बीच बातचीत होगी। अब देश को पूछना चाहिए कि राहुल गांधी, खड़गे, जयराम रमेश,अखिलेश यादव आदि को यह जानकारी कहां से मिल गई? दूसरे, अगर हमारी सेना ने वीरतापूर्वक पाकिस्तान को पस्त किया तो फिर आप युद्ध में क्षति का प्रश्न किससे पूछ रहे हैं? जब आप किसी सैन्यबल वाले शत्रु देश को सबक सिखाने गए हैं तो माना गया होगा कि हमारी भी क्षति हो सकती है। भारी क्षति उठाकर भी सबक सिखाने की मानसिक तैयारी से ही कार्रवाई हुई होगी। युद्ध में क्षति हुई या विमान ही नष्ट हो गये तो इसमें आश्चर्य की कोई बात नहीं है। क्या आतंक विरोधी युद्ध में अमेरिका और नाटो को सैनिक क्षति नहीं हुई? क्या छोटे से गाजा के विरुद्ध कार्रवाई में इजराइल को कोई क्षति नहीं हुई? क्या यूक्रेन के साथ युद्ध में रूस को क्षति नहीं हुई ? ऐसी कौन सी सैन्य करवाई है जिसमें क्षति नहीं होगी? क्या कांग्रेस के शासनकाल में 1971 की विजय में भी भारत को सैन्य सामग्रियों के अलावा जवानों के संदर्भ में क्षति नहीं हुई? क्या 1965 का युद्ध बिना क्षति के हुई? 1962 के भारत चीन युद्ध में तो ऐसी क्षति हुई जिसकी चर्चा तक में आज भी शर्म आती है।

आप अपनी संकुचित राजनीति के लिए नरेंद्र मोदी सरकार को पराजित या छोटा दिखाने के हल्ला बोल अभियान में सीधे-सीधे देश और सेना को छोटा दिखा रहे हैं। आपको अगर पाकिस्तान जैसे शत्रु से सुरक्षित होना है तो हर स्तर पर अपनी क्षति उठाने, बलिदान देने के लिए भी तैयार रहना होगा। यह संभव नहीं कि आप कार्रवाई करेंगे और प्रत्युत्तर न मिले तथा कोई क्षति नहीं हो। मुख्य बात यह होती है कि हमारी क्षति और हमारे बलिदान का पूरा मूल्य हमें प्राप्त हुआ या नहीं। इस मायने में देखें तो जैसी कार्रवाई भारत ने की, जिस ढंग का प्रत्युत्तर दिया संपूर्ण विश्व में उसका लोहा माना गया और हमारे स्वदेशी तकनीक से निर्मित हथियारों की मांग पूरी दुनिया में बढ़ी है।

नजरिया

भारत के लिए संकट नहीं बनेगा ब्रह्मपुत्र का पानी

प्रमोद भार्गव

मोबाइल : 09981061100

ऑपरेशन सिंदूर और सिंधु जल संधि के निलंबन से आहत पाकिस्तान भारत को सबक सिखाने के दिन में स्वप्न देख रहा है। चीन के पिट्ठू पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ के सलाहकार राणा अहसान अफजल ने एक नई धमकी देते हुए कहा है कि यदि चीन ब्रह्मपुत्र का पानी रोक दे तो भारत का क्या हाल होगा? चूंकि पाकिस्तान न तो ब्रह्मपुत्र के भूगोल से पराजित है और न ही पानी के प्रवाह के तकनीकी के ज्ञान से? इसलिए इस भूगोल और तकनीक का ज्ञान असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कराकर पाक के नैरेटिव की हवा निकाल दी। बिस्वा ने अपनी एक्स पोस्ट पर ठोस तथ्यों के साथ लिखा कि ब्रह्मपुत्र एक ऐसी नदी है, जिसका प्रवाह भारत में घटता-बढ़ता नहीं है। अतएव नदी को अपना प्रवाह बनाए रखने के लिए चीन के पानी पर निर्भर नहीं रहना पड़ता है। ब्रह्मपुत्र के कुल जल प्रवाह में चीन केवल 30 से 35 प्रतिशत तक का योगदान देता है। यह भी ज्यादातर हिमनदों के पिघलने और बारिश से मिलता है। शेष 65 से 70 प्रतिशत जल भारत में बहने वाली ब्रह्मपुत्र की सहायक नदियों से मिलता है। इसलिए यह नदी भारत में प्रवेश के बाद सशक्त हो जाती है। अतएव यह वर्षा जल से पोषित भारतीय नदी प्रणाली का हिस्सा है न कि किसी एक जल स्रोत पर निर्भर है। पाकिस्तान को यह सच्चाई जाननी चाहिए। फिर भी चीन ब्रह्मपुत्र के जल को कम करता भी है तो वह भारत के लिए मददगार ही साबित होगा। क्योंकि इस नदी की बाढ़ से प्रतिवर्ष लाखों लोगों को विस्थापन का दंष झेलना पड़ता है।

ब्रह्मपुत्र नदी के पानी को लेकर चीन का भारत से ही नहीं बांग्लादेश से भी विवाद है। इस नदी पर कई बांध बनाकर चीन ने ऐसे जल प्रबन्ध कर लिए हैं कि वह जब चाहे तब भारत और बांग्लादेश में पानी के प्रवाह को रोक दे और जब चाहे तब ज्यादा पानी छोड़कर ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे बसे इलाकों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न कर दे। चीन ने ऐसी हरकत करते हुए साल 2016 में भारत में जलापूर्ति करने वाली ब्रह्मपुत्र की सहायक नदी जियाबुकू का पानी रोक भी दिया था। लेकिन इसका असर पूर्वोत्तर की कृषि पर देखने में नहीं आया था। ब्रह्मपुत्र एशिया की सबसे लम्बी नदी है। इस नदी की लम्बाई 3000 किमी है। इसी की सहायक नदी जियाबुकू है। जिस पर चीन हाइड्रो प्रोजेक्ट बना रहा है। दुनिया की सबसे लम्बी नदियों में 29वाँ स्थान रखने वाली ब्रह्मपुत्र 1625 किमी तिब्बत क्षेत्र में बहती है। इसके बाद 918 किमी भारत और 363 किमी की लम्बाई में बांग्लादेश में बहती है। समुद्री तट से 3300 मीटर की ऊँचाई पर तिब्बती क्षेत्र में बहने वाली इस नदी पर चीन ने 12वीं पंचवर्षीय योजना के तहत तीन पनबिजली परियोजनाएं निर्माण के प्रस्ताव पहले ही मंजूर कर चुका है और अब नए बांध निर्माण को मंजूरी दे दी है। चीन इन बांधों का निर्माण अपनी आबादी के लिये व्यापार, सिंचाई, बिजली और पेयजल समस्याओं के निदान के उद्देश्य से कर रहा है, लेकिन उसका इन बांधों और जल सुरंगों के निर्माण की पृष्ठभूमि में छिपा एजेंडा, खासतौर से भारत के खिलाफ जल हथियार के रूप में रणनीतिक इस्तेमाल के रूप में भी देखी जाती हैं। लेकिन यदि चीन ब्रह्मपुत्र के पानी को औजार बनाता है तो भारत से कहीं ज्यादा चीन की ही बिजली, सिंचाई और पेयजल योजनाएं प्रभावित होंगी।

दरअसल चीन में बढ़ती आबादी के चलते इस समय 886 नगर और 110 बड़े नगर पानी के गंभीर संकट से जूझ रहे हैं। उद्योगों और कृषि सम्बन्धी जरूरतों के लिये भी चीन को बड़ी मात्रा में पानी की जरूरत है। चीन ब्रह्मपुत्र के पानी का अनूठा इस्तेमाल करते हुए अपने शिनजियांग, जांझु और मंगोलिया इलाकों में फैले व विस्तृत हो रहे रेगिस्तान को भी नियंत्रित करना चाहता है। चीन की यह नियति रही है कि वह अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिये पड़ोसी देशों की कभी परवाह नहीं करता। चीन ब्रह्मपुत्र के पानी का मनचाहे उद्देश्यों के लिये उपयोग करता है तो तय है, अरुणाचल में जो 17 पनबिजली परियोजनाएं प्रस्तावित व निर्माणाधीन हैं, इनके अटकने के अनुमान लगा लिए जाते हैं। ये परियोजनाएँ पूरी हो जाती हैं और ब्रह्मपुत्र से इन्हें पानी मिलता रहता है तो इनसे 37827 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा। इस बिजली से पूर्वोत्तर के सभी राज्यों में बिजली की आपूर्ति तो होगी ही, पश्चिम बंगाल और ओड़ीसा को भी अरुणाचल बिजली बेचने लग जाएगा। चीन अरुणाचल पर जो टेढ़ी निगाह बनाए रखता है, उसका एक बड़ा कारण अरुणाचल में ब्रह्मपुत्र की जलधारा ऐसे पहाड़ व पठारों से गुजरती है, जहां भारत को मध्यम व लघु बांध बनाना आसान है। ये सभी बांध भविष्य में अस्तित्व में आ जाते हैं और पानी का प्रवाह बना रहता है तो पूर्वोत्तर के सातों राज्यों की बिजली, सिंचाई और पेयजल जैसे बुनियादी समस्याओं का समाधान हो जाएगा। पिछले 11 साल में इन बांधों के निर्माण में तेजी आई है।

चीन के साथ सुविधा यह है कि वह अपनी नदियों के जल को अर्थव्यवस्था की रीढ़ मानकर चलता है। पानी को एक उपभोक्ता वस्तु मानकर वह उसका अपने हितों के लिये अधिकतम दोहन में लगा है। बौद्ध धर्मावलम्बी चीन परम्परा और आधुनिकता के बीच मध्यमार्गी सामंजस्य बनाकर चल रहा है। जो नीतियां एक बार मंजूर हो जाती हैं, उनके अमल में चीन कड़ा रुख और भौतिकवादी दृष्टिकोण अपनाता है। इसलिये वहां परियोजना के निर्माण में धर्म और पर्यावरण सम्बन्धी समस्याएं रोड़ा नहीं बनती।नतीजतन एक बार कोई परियोजना कागज पर आकार ले लेती है तो वह आरंभ होने के बाद निर्धारित समयावधि में लगभग पूरी हो जाती है।

चीन और भारत के बीच ब्रह्मपुत्र के जल-बंटवारे को लेकर विवाद और टकराव बढ़ रहा है। अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर पानी के उपयोग को लेकर कई संधियां हुई हैं। इनमें संयुक्त राष्ट्र की पानी के उपभोग को लेकर 1997 में हुई संधि के प्रस्ताव पर अमल किया जाता है। इस संधि के प्रारूप में प्रावधान है कि जब कोई नदी दो या इससे ज्यादा देशों में बहती है तो जिन देशों में इसका प्रवाह है, वहां उसके पानी पर उस देश का समान अधिकार होगा। इस लिहाज से चीन को सोची-समझी रणनीति के तहत पानी रोकने या उसकी धारा बदलने का अधिकार है ही नहीं। इस संधि में जल प्रवाह के आंकड़े साझा करने की शर्त भी शामिल है। लेकिन चीन संयुक्त राष्ट्र की इस संधि की शर्तों को मानने के लिये इसलिये बाध्यकारी नहीं है, क्योंकि इस संधि पर अब तक चीन और भारत ने हस्ताक्षर ही नहीं किए हैं।

दरअसल ब्रह्मपुत्र का पानी अधिक मात्रा में छोड़ने या रोकने से भारत पर बहुत बड़ा असर पड़ने वाला नहीं है, क्योंकि नदी का जलभराव क्षेत्र का 22 से 30 फीसदी हिस्सा चीन में है, वहीं 21 फीसदी जल चीन से आता है। तिब्बती जल स्रोतों, बारिष और हिमनदों के पिघलने से यह पानी नदी में आता है।

भूटान एक छोटा देष जरूर है, लेकिन ब्रह्मपुत्र नदी में उसका भी योगदान चीन के बराबर करीब 21 फीसदी है। जबकि भूटान में नदी का बहाव क्षेत्र केवल 7 फीसदी हिस्से में है। वहीं भारत में यह 34 फीसदी के करीब है। परिणामतः ब्रह्मपुत्र में सबसे ज्यादा पानी भारत से ही जाता है। यह करीब 39 प्रतिशत है। भारत में प्रवेष करने से पहले ब्रह्मपुत्र में केवल 14 फीसदी पानी ही शेष बचता है। बाकी जो पानी बढ़ता है, वह भारतीय जल स्रोतों से ही बढ़ता है। चूंकि चीन का पानी पहले से ही बहुत कम है, इसलिए चीन जल प्रवाह रोकता भी है तो उसका भारत पर ज्यादा असर पड़ने वाला नहीं है। मानसून के समय चीन सीमा पर पानी भारत की तुलना में सात गुना तक कम रहता है। अतएव हिमंत बिस्वा ने कड़ा जबाव देकर पाकिस्तान की बोलती बंद कर दी है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

'राजनाथ आम': रक्षा मंत्री के नाम पर आम की नई किस्म का नाम रखा गया

लखनऊ/भाषा। 'मैंगो मैन' के नाम से मशहूर लखनऊ के मलीहाबाद निवासी बागवान एवं 'पद्मश्री' से सम्मानित कलीमुल्लाह खान ने आम की एक नव विकसित किस्म का नाम रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नाम पर रखा है।

खान ने मलीहाबाद में अपने बाग में 'ग्राफ्टिंग' तकनीक से तैयार की गई आम की नई किस्म का नाम रक्षा मंत्री के नाम पर रखा है। इस किस्म को 'राजनाथ आम' कहा जाएगा। 'ग्राफ्टिंग' बागवानी की ऐसी तकनीक है जिसमें दो अलग-अलग पौधों के हिस्सों को जोड़कर एक नया पौधा बनाया जाता है। बागवानी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान और समर्पण के लिए पद्मश्री से नवाजे गये खान इससे पहले नरेन्द्र मोदी, अमित शाह, सचिन तेंदुलकर, ऐश्वर्या राय, अखिलेश यादव और सोनिया गांधी समेत कई प्रमुख भारतीय हस्तियों के नाम पर आम की किस्मों का नाम रख चुके हैं।

खान ने 'पीटीआई वीडियोज' से कहा, मैं अपने आमों का नाम उन लोगों के नाम पर रखता हूं जिन्होंने सद्य मायनों में देश की सेवा की है। मैं चाहता हूं कि ये नाम पीढ़ियों तक जिंदा रहें। कई बार लोग महान नेताओं को भूल जाते हैं, लेकिन अगर कोई आम उन्हें राजनाथ सिंह के अच्छे काम की याद दिलाता है तो यह सार्थक है। वह एक संतुलित और विचारशील व्यक्ति हैं। हाल ही में पाकिस्तान के बारे में एक चर्चा के दौरान मैंने महसूस किया कि वह युद्ध नहीं बल्कि शांति चाहते हैं।खान ने पहलगाम आतंकवादी हमले का जिक्र करते हुए कहा, ''पाकिस्तान ने आक्रमण की शुरुआत की लेकिन आज, माहौल बेहतर हो गया है। जंग नहीं बल्कि अमन ही समाधान है। समस्याओं का समाधान बातचीत के जरिए होना चाहिए। युद्ध सिर्फ नफरत को बढ़ाता है और सभी का नुकसान होता है।

खान ने अपने दशहरी और अन्य किस्म के आमों के लिए पूरी दुनिया में मशहूर मलीहाबाद क्षेत्र का जिक्र करते हुए बताया कि 1919 के आसपास इस क्षेत्र में आम की 1,300 से ज्यादा किस्म थीं।

स्वागत

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का चमोली पहुंचने पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

प्रीति जिंटा ने 'पंजाब किंग्स' के लिए लिखा 'हार के बावजूद, शानदार रहा सफर'

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री और पंजाब किंग्स की सह-मालकिन प्रीति जिंटा ने सोशल मीडिया पर अपनी टीम के लिए एक पोस्ट किया, जिसमें वह भावुक नजर आईं। उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग में हार के बावजूद अपनी टीम के बेहतरीन प्रदर्शन को लेकर सराहना की। प्रीति जिंटा का मानना है कि भले ही टीम फाइनल में हार गई, लेकिन उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में जज्बे, धैर्य और जोश के साथ शानदार प्रदर्शन किया। प्रीति जिंटा ने पंजाब किंग्स की एक तस्वीर को शेयर करते हुए कैप्शन में अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा कि यह सीजन उनके लिए खास था। अभिनेत्री ने लिखा, टीम और कप्तान ने शानदार नेतृत्व किया। नए भारतीय खिलाड़ियों ने भी अपनी प्रतिभा से सभी का दिल जीत लिया। इस बार कई चुनौतियां आईं, जैसे प्रमुख खिलाड़ियों की चोट, राष्ट्रीय जिम्मेदारियों के कारण खिलाड़ियों की अनुपस्थिति, टूर्नामेंट में रुकावट, घरेलू मैदानों को दूसरे राज्यों में स्थानांतरित करना और एक खाली स्टेडियम में खेलना। फिर भी टीम ने हार नहीं मानी और एक दशक बाद अंक तालिका में शानदार स्थान हासिल किया। फाइनल में आखिरी गेंद तक टीम ने कड़ा मुकाबला किया।

अभिनेत्री ने अपने खिलाड़ियों, सहयोगी स्टाफ और प्रशंसकों का आभार जताते हुए आगे लिखा, हमारी टीम ने पूरे टूर्नामेंट में जबरदस्त हिम्मत दिखाई। हमारे प्रशंसक, जिन्हें हम 'शेर स्क्वॉड' कहते हैं, हर मुश्किल में हमारे साथ खड़े रहे। हम जो कुछ भी हैं, वह आपकी वजह से हैं। प्रीति जिंटा ने वादा किया कि पंजाब किंग्स अगले साल और मजबूती से वापसी करेंगे। उन्होंने प्रशंसकों से कहा, हमारा काम अभी अधूरा है, लेकिन हम इसे पूरा करने के लिए लौटेंगे। अगले साल स्टेडियम में मिलते हैं। तब तक सुरक्षित रहें और अपना ख्याल रखें। आईपीएल के फाइनल में आरसीबी ने पंजाब किंग्स को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हुए फाइनल मुकाबले में आरसीबी ने पंजाब किंग्स को छह रनों से हराया। इस जीत को लेकर टीम और क्रिकेट फैंस में जोश देखने को मिला। वहीं बॉलीवुड भी इसका जश्न मना रहा है।

कश्मीर में वंदेभारत ट्रेन : अद्भुत इंजीनियरिंग और खूबसूरती का संयोजन

कटरा (रियासी)/भाषा। बादलों को छूते दुनिया के सबसे ऊंचे रेल पुल को पार करते हुए कश्मीर तक रेलगाड़ी से सफर करने का लंबे समय से देखा जा रहा सपना शुक्रवार को हकीकत में तब्दील हो गया। घाटी तक जाती ट्रेन सुंदर नजारों और इन्सान की साहसी सोच को संयोजित करती यात्रा प्रतीत होती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कटरा और श्रीनगर शहर के बीच दो विशेष रूप से डिजाइन की गई वंदे भारत रेलगाड़ियों को हरी झंडी दिखाई, जिससे दोनों स्थानों के बीच यात्रा का समय दो से तीन घंटे कम हो गया है और अब कश्मीर घाटी के साथ साल भर संपर्क सुनिश्चित हो गया है। यह रेलगाड़ी संकरी घाटियों, हरे-भरे जंगलों और हिमालय की ऊंची चोटियों से घिरी गहरी घाटियों तथा शिवालिक पर्वत श्रृंखला में बनाई गई सुरंगों के बीच से होकर गुजरती है, जिसके समानांतर चिनाब नदी बहती है।

मानव निर्मित इंजीनियरिंग अजूबों में सबसे ऊंचा चिनाब पुल, भारत का पहला केबल आधारित रेलवे पुल और 13 किलोमीटर लंबी टी-50 सुरंग शामिल हैं।

देश भर के यात्रियों, खासतौर पर प्रकृति प्रेमी पर्यटकों के लिए यह यात्रा दुनिया के सबसे खूबसूरत और विस्मयकारी मार्गों में से एक पर अविस्मरणीय यात्रा करने का अवसर देगी। दिल्ली से लेखक सतेश वर्मा ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा, ''यह कोई साधारण ट्रेन नहीं है, बल्कि पर्यटन के लिए बनाई गई खास ट्रेन है। इस यात्रा के दौरान यात्री शानदार दृश्य का आनंद लेने के साथ प्रकृति से भी संबंध स्थापित करेंगे। इस पूरे रास्ते में खूबसूरत और मनमोहक दृश्य हैं। मुझे यह बहुत पसंद है। मैं इसे आने वाले कई वर्षों तक याद रखूंगा।'' भारत के सबसे उत्तरी भाग में बसा जम्मू और कश्मीर प्राकृतिक वैभव और शांत सुंदरता का एक कालातीत प्रतीक है। इस मनमोहक क्षेत्र का अनुभव करने के कई तरीकों में से एक, कटरा से कश्मीर तक की ट्रेन की यात्रा होगी; जो देश के कुछ सबसे शानदार दृश्यों का दीदार कराने के साथ लुभावनी यात्रा का अनुभव प्रदान करेगी।

लोकोमोटिव पायलट मनोज कुमार मीणा ने कहा कि वह कश्मीर तक पहली रेलगाड़ी चलाने से गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने इसे, ''प्रकृति के निरंतर बदलते स्वरूपों - जंगलों से लेकर चट्टानी पर्वत चोटियों, गहरी घाटियों और संकरी घाटियों के साथ-साथ मानव निर्मित चमत्कारों के माध्यम से एक अद्भुत दुनिया की सरल यात्रा करार दिया।'' मीणा ने कहा,''मुझे कश्मीर के लिए इस ट्रेन का संचालन करने पर गर्व है, जिसे यहां से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

श्रीलंका-भारत रक्षा संवाद में विशेष रूप से समुद्री सुरक्षा बढ़ाने पर चर्चा हुई

कोलंबो/भाषा

भारत और श्रीलंका ने अपने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और बढ़ाने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया और इस दौरान विशेष रूप से समुद्री सुरक्षा पर चर्चा की गई। श्रीलंका के रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय के मुताबिक, बृहस्पतिवार को कोलंबो में श्रीलंका-भारत रक्षा संवाद का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया।

भारत और श्रीलंका द्वारा पांच अप्रैल को रक्षा साझेदारी को लेकर पहली बार समझौता किये जाने के बाद यह पहली उच्च स्तरीय बैठक थी। रक्षा मंत्रालय की ओर से यहां जारी बयान में कहा गया कि श्रीलंकाई प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व रक्षा सचिव एयर वाइस मार्शल संपत तुयाकोंथा (सेवानिवृत्त) ने किया, जबकि भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में वार्ता में हिस्सा लिया।

बयान में कहा गया, ''उच्च स्तरीय वार्ता में द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को मजबूत करने, समुद्री सुरक्षा बढ़ाने और प्रशिक्षण एवं रणनीतिक भागीदारी में सहयोग के नए रास्ते तलाशने पर ध्यान केंद्रित किया गया।'' इसमें कहा गया कि दोनों पक्षों के वरिष्ठ अधिकारियों ने चर्चा में हिस्सा लिया और श्रीलंका तथा भारत के बीच दीर्घकालिक रक्षा साझेदारी की प्रतिबद्धता दोहराई। भारतीय रक्षा सचिव ने उप रक्षा मंत्री मेजर जनरल अरुणा जयशेखर (सेवानिवृत्त) और तुयाकोंथा से भी अलग-अलग मुलाकात की। भारत और श्रीलंका ने पहले रक्षा साझेदारी समझौते पर 5 अप्रैल को हस्ताक्षर किए थे। इसे भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुर कुमार दिसानायक के बीच वार्ता के दौरान अंतिम रूप दिया गया था।

इस समझौते से द्वीपीय राष्ट्र में भारतीय शांति सेना के हस्तक्षेप के कारण संबंधों में तनाव आने के लगभग चार दशक बाद द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को मजबूती मिली।

अब खुद को 'अनुराग बसु की हीरोइन' कह सकती हूं : सारा अली खान

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म अभिनेत्री सारा अली खान के लिए यह एक सपना सच होने जैसा है। दरअसल, अभिनेत्री फिल्म निर्माता अनुराग बसु और 2007 की फिल्म 'लाइफ इन ए मेट्रो' की प्रशंसक रही हैं। सारा ने कहा कि दूसरी फिल्म में काम करने के बाद अब वह खुद को 'अनुराग बसु की हीरोइन' कह सकती हैं। सारा ने इंस्टाग्राम पर मेट्रो.इन दिनो के ट्रेलर लॉन्च का एक वीडियो शेयर किया। इसमें आगामी फिल्म के ट्रेलर की कुछ झलकियां भी दिखाई गई। फिल्म 4 जुलाई को रिलीज होने वाली है। कैप्शन में सारा ने लिखा, मेट्रो देखने और उसे पसंद करने से लेकर अब इसमें काम करने तक। सपने सच होते हैं। मैं अनुराग बसु की प्रशंसक रही हूं- अब मैं कह सकती हूँ कि मैं भी अनुराग बसु की हीरोइन हूं। म्यूजिकल फिल्म का ट्रेलर 4 जून को जारी किया गया था और इसमें चार अलग-अलग उम्र के जोड़ों की दिलचस्प कहानी दिखाई गई थी। ट्रेलर के अनुसार, फिल्म का कथानक काफी हद तक अपनी पिछली फिल्म जैसा ही है। इसमें 4 जोड़ों की जिंदगी को दिखाया गया है और दिखाया गया है कि वे किस तरह से जीवन में आने वाले उतार-चढ़ावों का सामना करते हैं। फिल्म में अनुपम खेर, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, फातिमा सना शेख, अली फजल और नीना गुप्ता हैं।

फिल्म 'डाकू महाराज' कल होगा टीवी प्रीमियर

मुंबई/एजेन्सी

नंदमुरी बालकृष्णा, बॉबी देओल और उर्वशी रौतेला की फिल्म डाकू महाराज का प्रीमियर स्टार गोल्ड पर 08 जून को होगा। स्टार गोल्ड फिल्म 'डाकू महाराज' का हिंदी टेलीविजन प्रीमियर, 08 जून को रात 08 बजे लेकर आ रहा है। बॉबी कोली के निर्देशन में बनी इस फिल्म में नंदमुरी बालकृष्णा, बॉबी देओल और उर्वशी रौतेला की पावर-पैक्ड तिकड़ी नजर आएगी। 'डाकू महाराज' एक रोमांचक एक्शन थ्रिलर है, जिसमें एक निडर डाकू की कहानी दिखाई गई है जो न्याय के लिए अपने सबसे खतरनाक दुश्मनों से टकराता है। टीवी प्रीमियर को लेकर उर्वशी रौतेला ने कहा,एक कलाकार के रूप में मैं डाकू महाराज का हिस्सा बनकर बेहद गर्वित महसूस करती हूं। निर्देशक बॉबी कोली ने इस फिल्म को एक विजनरी टच दिया है। नंदमुरी बालकृष्णा जी और बॉबी देओल सर की परफॉर्मेंस ने हर किसी को प्रभावित किया। मेरी एक्शन सीन्स में शक्ति और संतुलन की झलक देखने को मिलेगी, जो फिल्म के इमोशनल और इंटेंस नैरेटिव को और मजबूती देते हैं। फिल्म का एंथम सॉन्ग डबिडी डबिडी तो एक ग्लोबल सेंसेशन बन गया है। रिल्स, डांस कवर और फैन रिएक्शंस से मेरे सोशल मीडिया की भरमार हो गई है। आठ जून को रात आठ बजे स्टार गोल्ड पर हिंदी वर्ल्ड टीवी प्रीमियर के लिए मैं बेहद उत्साहित हूं, और मुझे पूरा यकीन है कि यह फिल्म टीवी दर्शकों का दिल भी वैसे ही जीतेगी जैसे थिएटर में जीता था।

फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' का टीजर जारी

मुंबई/एजेन्सी

संतोष सिंह के निर्देशन में तैयार अभिनेता विक्रांत मैसी और शनाया कपूर की अपकमिंग फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' के टीजर को फिल्म निर्माताओं ने जारी कर दिया है। लगभग 1 मिनट के टीजर में अनोखी प्रेम कहानी की झलक दिखी। प्यार, इमोशन और खूबसूरत पलों से भरे टीजर में दिखाया गया है कि कैसे दो लोग अचानक मिलते हैं और उनकी खूबसूरत कहानी शुरू होती है। बिना ज्यादा बात किए, इशारों और संगीत के जरिए प्यार गहराता जाता है। डांस के कुछ सीन टीजर को और खास बनाते हैं। टीजर में गायक विशाल मिश्रा का संगीत और खूबसूरत लोकेशन इस लव स्टोरी को और भी खास बनाते हैं। फिल्म को जी स्टूडियोज और मिनी फिल्म्स ने प्रस्तुत किया है। स्टूडियोज ने बुधवार को 'आंखों की गुस्ताखियां' का फर्स्ट पोस्टर जारी किया था, जिसमें विक्रांत मैसी और शनाया कपूर के बीच शानदार केमिस्ट्री देखने को मिली थी।

'आंखों की गुस्ताखियां' म्यूजिकल प्रेम कहानी है, जो भावनाओं और प्यार के जादू को दिखाती है।

शनाया कपूर इस फिल्म के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। हाल ही में प्रोड्यूसर मानसी बागला ने 'आंखों की गुस्ताखियां' में शनाया कपूर को लॉन्च करने के अपने फैसले के बारे में खुलकर बात की थी। फिल्म में संगीत गायक विशाल मिश्रा ने दिया है। जानकारी के अनुसार यह कहानी दो ब्लाइंड लोगों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो आधुनिक समय में प्रेम की खुशियों और चुनौतियों का सामना करते हैं।

'एक पेड़ मां के नाम' पहल का हिस्सा बनीं कंगना रनौत, खास लोगों का जताया आभार

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री और हिमाचल प्रदेश के मंडी क्षेत्र से भाजपा की सांसद कंगना रनौत विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर 'एक पेड़ मां के नाम' पहल का हिस्सा बनीं। इस मौके पर उन्होंने अपने दिल्ली स्थित आवास पर पौधा लगाया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए कंगना रनौत ने लिखा, आज विश्व पर्यावरण दिवस पर हमने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल 'एक पेड़ मां के नाम' के साथ पौधरोपण अभियान को शुरू किया। मैंने अपने दिल्ली स्थित घर पर पौधा लगाया। कंगना ने आगे बताया, इस पर्यावरण दिवस पर मैं उन सभी लोगों का हृदय से आभार व्यक्त करती हूं, जिन्होंने मिट्टी और नदियों को बचाने के साथ-साथ पृथ्वी और महासागरों को प्लास्टिक कचरे से मुक्त करने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया है।

कंगना रनौत के साथ अभिनेता अल्लू अर्जुन ने भी विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं दी और प्रशंसकों से पृथ्वी को हरा-भरा करने की अपील की।

वहीं, अभिनेता रणदीप हुड्डा और उनकी पत्नी लिन लैशराम ने विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर मध्य प्रदेश के कान्हा राष्ट्रीय उद्यान के निकट 500 से अधिक पेड़ लगाए। रणदीप ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस सिर्फ एक तारीख नहीं, इससे कहीं ज्यादा है और हमें इसके महत्व को समझना होगा। यह दिन हमें प्रकृति को पहुंचाए नुकसान की भरपाई के लिए भी प्रेरित करता है। अभिनेता ने कहा कि पेड़ लगाना एक छोटा सा काम लग सकता है, लेकिन यह बहुत शक्तिशाली है। रणदीप ने सभी से न केवल इस दिन को मनाने का आग्रह किया, बल्कि हर दिन अपने स्तर पर इसके संदेश को अपनाने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा, प्रकृति को हमारी जरूरत नहीं है - हमें प्रकृति की जरूरत है। कान्हा राष्ट्रीय उद्यान अपनी समृद्ध जैव विविधता के लिए जाना जाता है, यह उद्यान बंगाल बाघों, भारतीय तेंदुओं, भालू, हिरणऔर काले हिरण का घर है।

'अजेय: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ए योगी' का पोस्टर जारी

मुंबई/एजेन्सी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिन के अवसर पर निर्माताओं ने उनकी अपकमिंग फिल्म का नया पोस्टर जारी कर दिया है। निर्माताओं ने बताया कि 'अजेय: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ए योगी' इसी साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी। सम्राट सिनेमैटिक्स ने अपकमिंग फिल्म 'अजेय: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ए योगी' की रिलीज डेट की आधिकारिक घोषणा करते हुए बताया कि फिल्म 1 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। योगी आदित्यनाथ के जन्मदिन के अवसर पर की गई घोषणा के साथ, प्रोडक्शन हाउस ने एक दमदार नया पोस्टर भी जारी किया, जिसमें मुख्य भूमिका में अभिनेता अनंत विजय जोशी की झलक दिखाई दी। पोस्टर में सीएम योगी का किरदार निभा रहे अभिनेता भगवा वस्त्र पहने दिखाई दिए। वहीं, चेहरे पर स्वैग नजर आया। 'अजेय' लेखक शांतनु गुप्ता की किताब 'द मॉन्क हू बिकेम चीफ मिनिस्टर: द डेफिनिटिव बायोग्राफी ऑफ योगी आदित्यनाथ' पर बनी है।

'अजेय' एक ऐसे व्यक्ति की आकर्षक यात्रा को पर्दे पर पेश करता है, जिसने सांसारिक सुखों

को त्यागकर भारत के सबसे प्रभावशाली राजनीतिक व्यक्तियों में से एक के रूप में उभरने का फैसला किया। निर्माता रितु मेंगी ने कहा, इस अवसर पर रिलीज की तारीख की घोषणा करना योगी जी के असाधारण जीवन को सम्मान है। वह कई लोगों की प्रेरणा हैं। फिल्म में अनंत विजय जोशी, परेश रावल, दिनेश लाल यादव 'निरहुआ', अजय मेंगी, राजेश खट्टर, पवन मल्होत्रा और गरिमा विक्रांत सिंह जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। रवींद्र गौतम के निर्देशन में बनी फिल्म का निर्माण रितु मेंगी ने किया है और फिल्म का संगीत मीत ब्रदर्स ने तैयार किया है और इसकी कहानी दिलीप बद्यन झा और प्रियांक दुबे ने लिखी है।

इससे पहले 26 मार्च को निर्माताओं ने बायोपिक का टीजर जारी किया था।

शेयर किए गए टीजर में योगी आदित्यनाथ के जीवन और बदलाव की झलक को दिखाया गया है, जिसमें उनके आध्यात्मिक और राजनीतिक मार्ग को आकार देने वाले निर्णायक क्षणों को भी बारीकी के साथ दिखाया गया है। इसमें उनके शुरुआती वर्षों, नाथपंथी योगी के रूप में संन्यास लेने के उनके फैसले और एक राजनेता के रूप में उनके विकास को भी टीजर में उतारा गया है। फिल्म हिंदी के साथ तेलुगू, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज होगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

बेंगलूरु | शनिवार | 07-06-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर की जीतो साउथ लेडीज विंग ने सेवा कार्यों के तहत कर्म थ्योरी' नामक एक कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार को टाउन हॉल में किया। लेडीज विंग की चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभी का स्वागत किया।

नौदिवसीय श्रीराम कथा के आमंत्रण पत्र का हुआ लोकार्पण, पत्र वितरण जोरों पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्रीराम परिवार दुर्गा पूजा समिति द्वारा पहली बार 9 जून से पैलेस ग्राउंड के प्रिंसेस श्राइन सभागार में आयोजित होने वाली श्री तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु श्री रामभद्राचार्य महाराज की नौ दिवसीय श्रीराम कथा के आमंत्रण पत्र का लोकार्पण गुरुवार को किया गया। कथा स्थल पर आयोजित विशेष बैठक में कथा की तैयारियों का जायजा लिया और समिति के पदाधिकारियों ने श्रीराम कथा के आमंत्रण पत्र का लोकार्पण किया। समिति के अध्यक्ष मिथिलेश तिवारी ने कहा कि नौदिवसीय श्रीराम कथा की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है। निमंत्रण पत्र वितरण का काम जोरों पर चल रहा है। कथा के लिए जगद्गुरु श्रीराम भद्राचार्य महाराज के आगमन को लेकर श्रद्धालुओं में अत्यंत उत्साह है।

इस अवसर पर श्रीराम परिवार के अध्यक्ष मिथिलेश तिवारी, सचिव अजय प्रकाश पाण्डेय, सहसचिव राजीव शुक्ला, सहयोगी संस्था एकल श्री हरि वनवासी फाउंडेशन के अध्यक्ष सुरेश मोदी, सचिव संजय अग्रवाल, राजू सुथार, मनोज पंडित, जोगिन्दर सिंह, अंजू पाण्डेय सहित विभिन्न समाजों के अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

निर्जला एकादशी पर हुआ बाबा श्याम का मनोहारी श्रृंगार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बन्नरघट्टा रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में निर्जला एकादशी का पर्व पूरी श्रद्धा व आस्था के साथ मनाया गया। इस मौके पर मंदिर में प्रभु श्याम की प्रतिमा का ताजे रंगीन फूलों से मनोहारी श्रृंगार किया गया। श्रद्धालुओं ने शुक्रवार को मंदिर में सुबह से ही कतारबद्ध होकर बाबा श्याम के दर्शन किए।

शाम को मंदिर में भजन कीर्तन का आयोजन किया जिसमें भजन गायकों ने मधुर भजनों से बाबा को रिझाया और बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई ।

जीतो साउथ लेडीज विंग ने 'कर्म थ्योरी' कार्यक्रम से समझा कर्म का महत्त्व

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर की जीतो साउथ लेडीज विंग ने सेवा कार्यों के तहत कर्म थ्योरी' नामक एक कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार को टाउन हॉल में किया। लेडीज विंग की चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभी का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि कर्म थ्योरी कोई साधारण कार्यक्रम नहीं, बल्कि आत्मा की यात्रा है, एक जागृति है। कार्यक्रम की संयोजिका लता बोहरा ने मुख्य वक्ता अरविंद मांडोत का परिचय दिया।

मुख्य वक्ता अरविंद मांडोत ने एक सफेद गेंद के उदाहरण के माध्यम से आत्मा की पवित्रता और कषायों के कारण, कर्मों के बंधन को सरलता से समझाया। उन्होंने औदारिक शरीर, कषायों और मुक्ति मार्ग की चर्चा की और बताया कि कैसे लौकिक और लोकातीत धर्मों का पालन कर मोक्ष की ओर बढ़ा जा सकता है। इस मौके पर नाटक के माध्यम से ज्ञानावरणीय कर्म, दर्शनावरणीय कर्म, वेदनीय कर्म व अंतराय कर्म चार प्रकार के कर्मों को दर्शाया गया। लेडीज विंग की विभिन्न सदस्याओं ने अपने अपने तरीके से कर्म थ्योरी का मंचन किया।

जीतो साउथ के चेयरमैन रंजीत सोलंकी ने कार्यक्रम की सराहना की। जीतो अपेक्स के युवा संयोजक प्रवीण शाह ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर साउथ चैप्टर के वाइस चेयरमैन महेंद्र रांका, जीतो लेडीज विंग के पूर्व चेयरपर्सन प्रमिला भंडारी, ललिता गुलेच्छा, मधु डोसी, पिंकी जैन सहित विभिन्न संबंधित संस्थाओं के सदस्य उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में समिति की सदस्याएं नीलम सांड, संगीता पारख, चंद्रा जैन, हेमा सोलंकी, अस्मिता चौहान, तरुणा मेहता, रेखा विनोद जैन, निशा कोठारी, नीतू गुलेचा, वनीता बच्छावत, अर्पिता लढ्ढानी, अंगिका बाफना, संगीता सियाल, कविता मुथा ने सहयोग दिया। कार्यक्रम का संचालन मुख्य सचिव निधि पालरेचा ने किया और संयोजिका प्रिया गांधी ने धन्यवाद दिया।

राम लला के दर्शनार्थ 'कीया' की टीम अयोध्या रवाना हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन(कीया) के तत्वावधान में 23 से 24 जुलाई तक इनरवियर उद्योग के भारत के सबसे बड़े ट्रेड फेयर का आयोजन बेंगलूरु में होने जा रहा है। इस आयोजन की सफलता की प्रार्थना के लिए एसोसिएशन के पदाधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल श्रीराम लला के दर्शनार्थ अयोध्या के लिए रवाना हुआ। एसोसिएशन के अध्यक्ष दिलीप जैन, उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी, कोषाध्यक्ष प्रकाश जैन, रमेश जैन, सहकोषाध्यक्ष विनोद चौहान, कमेटी सदस्य राजेश चोपड़ा, मनीष जैन, गौरव शर्मा, मूलसिंह पुरोहित, महिपाल जैन, माधुराम खदाव आदि अयोध्या के लिए रवाना हुए और अयोध्या में राम लला एवं राजा रामजी की प्रतिमाओं के दर्शन करेंगे।

जेवाईएस द्वारा सोलफुल टॉक्स 2.0 एवं पौधारोपण कार्यक्रम 8 को

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय जैन युवा संगठन (जेवाईएस) द्वारा सोलफुल टॉक्स नामक कार्यक्रम का आयोजन 8 जून को टाउन हॉल में किया गया है। अध्यक्ष महावीर मुणोत के नेतृत्व में जैन धर्म के सिद्धांतों एवं तत्त्वों को सरल भाषा में समझने हेतु सोलफुल टॉक्स' का आयोजन किया गया है। मंत्री नीरज कटारिया व कार्यक्रम के चेयरमैन दिलीप संचेती ने इस कार्यक्रम की रूपरेखा बताईं और कहा कि यह वर्कशॉप के माध्यम से युवा पीढ़ी को जैन धर्म से जोड़ा जाएगा। उपाध्यक्ष मुकेश सुराणा सहमंत्री सुश्रुत चेलावत, कार्यक्रम के सहचेयरमैन प्रवीण लालवानी एवं विपुल पोरवाल ने बताया कि डॉ. प्रभाजी विराट आध्यात्मिक जागृति व हितेश कोठारी आधुनिक दृष्टिकोण से जैन सिद्धांतों को प्रस्तुत करेंगे। बबीता रायसोनी कार्यक्रम में विशिष्ट पैनलिस्ट के रूप में उपस्थित होंगी। कोषाध्यक्ष संतोष डूंगरवाल ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर संगठन द्वारा एक पौधा माँ के नाम' पौधारोपण अभियान भी 8 जून को शुरू किया जाएगा। पौधरोपण समिति के चेयरमैन रितेश मेहता ने बताया सोलफुल टॉक्स के लिए पंजीकरण आवश्यक है।

राणी दादी का सिंजारा व झूलणोत्सव 27 जुलाई को

मासिक कार्यक्रम में हो रहा है राणी दादी का प्रचार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय दादी धाम प्रचार समिति के तत्वावधान में बुधवार को होसा रोड स्थित मंजू-जोधराज गौरीसरया के निवास पर माँ ब्रह्माणी का मंगल पाठ व दादीजी की भजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वन्दना तुलस्यान एवं ममता जालान ने मंगल पाठ और रामसुन्दर बगड़िया, कैलाश जालान, मंजू गौरीसरया,किशन बगड़िया ने भजनों की प्रस्तुति दी। इससे पूर्व 31 मई को मीणा-विनय राय के सौजन्य से हरियाणा भवन में भी मंगल पाठ व भजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर अध्यक्ष शिवकुमार टेकड़ीवाल ने बताया कि आगामी 27 जुलाई को समिति के तत्वावधान में संजय-रमा नोपानी परिवार के सौजन्य से दादीजी का सिंजारा व झूलणोत्सव बन्नरघट्टा रोड स्थित कल्याणी कला मंदिर में मनाया जाएगा। कोलकाता के भजन गायक स्वाति अग्रवाल एवं अरविन्द सहल इस कार्यक्रम में मंगल पाठ करेंगे व भजनों की प्रस्तुति देंगे। इस मौके पर समिति के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

जेबीएन-वी कनेक्ट महिला व्यवसाय रेफ़रल समूह की बैठक आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जेबीएन-वी कनेक्ट महिला व्यवसाय रेफ़रल समूह ने अपनी चौथी बैठक राजाजीनगर स्थित जीतो नॉर्थ कार्यालय में आयोजित की। बैठक में लेडीज विंग की कोषाध्यक्ष एवं जेबीएन संयोजिका तनुजा मेहता उपस्थित थीं। बैठक के मुख्य वक्ता के रूप में टैक्सशी की संस्थापिका वंदना सूरी ने व्यवसाय में जनरेशन अंतराल को पहचान कर उन्हें अवसरों में बदलने के गुर सिखाए। उन्होंने व्यवसाय में सरलता के महत्व और महिलाओं की नेतृत्व क्षमता पर विशेष जोर दिया।

कार्यक्रम में सदस्य स्पॉटलाइट के रूप में मोक्षा सोलंकी ने अपने व्यवसाय की जानकारी दी। मीनाक्षी जैन ने ऑफिस दर्शन पर एक शैक्षिक सत्र आयोजित किया। रितिका जैन ने डिजिटल कौशल और सोशल मीडिया पर आकर्षक इंस्टाग्राम रील्स बनाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

बैठक का नेतृत्व रेफ़रल हेड मीना जैन, रेफ़रल लीड लीला पितलिया और रेफ़रल सचिव सीए सुखदेवी जैन ने किया। डोर पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ पिच के लिए चंद्रा मेहता, सर्वाधिक रेफ़रल के लिए बिंदु मेहता और उच्चतम 121 अंक के लिए पिंकी मेहता को सम्मानित किया गया।

निशुल्क नेत्र जांच शिविर में 40 मरीजों की हुई जांच

चिक्कबलापुर। शहर के महावीर जैन संघ व प्रोजेक्ट दृष्टि के संयुक्त तत्वावधान में मासिक निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन स्थानीय एसएस जैन भवन में सम्पन्न हुआ। इस शिविर में 40 मरीजों की आंखों की जांच की गई। इस शिविर में 30 मरीजों का आपरेशन चिक्कबलापुर के जैन मिशन हॉस्पिटल में डॉ नरपत सोलंकी द्वारा किया गया। संघ के मंत्री उत्तमचन्द कोठारी ने सभी को धन्यवाद दिया।

कोरोना से एक और व्यक्ति की मौत, मृतकों की संख्या सात हुई

बेंगलूरु। कर्नाटक के दावणगेरे में 65 वर्षीय जिस व्यक्ति की मौत हो गयी थी, वह कोरोना वायरस संक्रमित था। वह अन्य बीमारियों से भी ग्रसित था। उसके निधन से बृहस्पतिवार तक कर्नाटक में कोरोना वायरस से संबंधित मौतों की संख्या सात हो गई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार 31 मई को दावणगेरे के सरकारी अस्पताल में उसकी मृत्यु हो गई। कर्नाटक में बृहस्पतिवार को कुल संक्रमित मामले 65 थे, जिससे जनवरी से अब तक सामने आए कुल मामले 796 हो गए।

राजराजेश्वरीनगर तेरापंथ सभा के पदाधिकारियों ने आचार्यश्री के दर्शन किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजराजेश्वरीनगर के तेरापंथी सभा के पदाधिकारियों ने गुजरात आणियोर कम्पा में विहाररत आचार्यश्री महाश्रमणजी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़, ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोज डागा, उपाध्यक्ष राजेश छाजेड़, मंत्री गुलाब बाँठिया, संगठन मंत्री विनोद बोथरा, जैन विद्या सहप्रभारी संगीता डागा एवं कार्यसमिति सदस्य सुशील भंसाली(छापर) ने गुरुदेव के दर्शन-सेवा का लाभ लिया तथा राजराजेश्वरीनगर में साध्वीश्री पुण्ययशाजी का चातुर्मास प्रदान करने हेतु आचार्यश्री के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। साध्वीश्री का राजराजेश्वरीनगर में चातुर्मास प्रवेश संभवत 22 जून को होगा।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

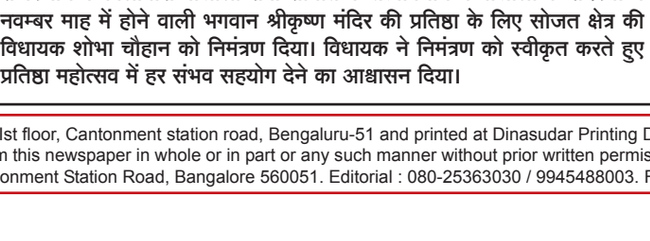

सहयोग

बेंगलूरु के विजयनगर स्थित मारुति मेडिकल्स द्वारा संचालित विद्या सुरक्षा योजना के तहत प्रतिष्ठान के प्रमुख महेन्द्र मुणोत ने हंपीनगर के विरुपाक्ष देवस्थान के निकट स्थित एसवीएस पाठशाला के विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री वितरित की।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

निमंत्रण

राजस्थान के बिलावास गौशाला सेवा समिति के तत्वावधान में गौशाला के सदस्यों ने नवम्बर माह में होने वाली भगवान श्रीकृष्ण मंदिर की प्रतिष्ठा के लिए सोजत क्षेत्र की विधायक शोभा चौहान को निमंत्रण दिया। विधायक ने निमंत्रण को स्वीकृत करते हुए प्रतिष्ठा महोत्सव में हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।

हार्दिक श्रद्धांजलि

स्व. श्री सुरेन्द्र सी. शाह (गुरुजी)
जन्म : 20.05.1951 स्वर्गवास : 28.05.2025
सुपुत्र : स्व. श्री चौथालालजी शाह, थरा निवासी

स्व.रमीलाबेन
धर्मपत्नी :
स्व. श्री सुरेन्द्र सी. शाह

दिन न निकला ऐसा की, आपकी याद न आई,
जब भी आया मौका, आँसुओं को न रोक पाए हम।
असीम प्यार छोड़ा है आपने दिलों में हमारे,
भुला न पाएंगे आपको, इस जन्म में हम ।

: श्रद्धावनत : श्री मधुबेन चौथालाल शाह परिवार
प्रदीप-पिंकी, विराग-जिग्ना, चैत्या, श्रेय, रिषि, अर्हम,
अमीता-कल्पेशकुमारजी, कौशल-जिगरकुमारजी,
दिव्य, आदित, प्रांशी, हॉल मुकाम - बेंगलूरु

Firm : GOYAM GOLD
M.D.P. Market, Shop No. 41-42, 1st Floor, Building No. 1-2,
Bettappa Lane, C.T. Street Cross, Bangalore 560 002, Karnataka (India)
Pradeep Shah - 9880070752 Virag Shah - 9880849998

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com